आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शुक्रवार 13 फरवरी 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 93

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

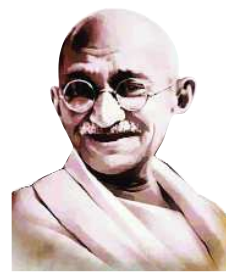

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

इंदौर से पीथमपुर जाना होगा आसान

पेज-2

'नागबंधम' का टीज़र लॉन्च करेंगे महेश बाबू

पेज-5

कुबेरेश्वर धाम में मिल सकता है महाजाम

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- दिल्ली के कई स्कूलों को बम की धमकी, पुलिस ने शुरू की जांच
- 'प्रगतिशील बांग्लादेश के साथ है भारत', पीएम मोदी ने तारिक रहमान को दी ऐतिहासिक जीत की बधाई
- दिल्ली : उस्मानपुर में बदमाशों के साथ पुलिस की मुठभेड़, 3 घायल
- अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अप्रैल में चीन जाएंगे, राष्ट्रपति शी जिनपिंग से करेंगे मुलाकात
- मेडागास्कर में चक्रवात गेजानी का कहर, 36 की मौत और हजारों घर तबाह
- रमेश चेन्निथला चेयरमैन, शशि थरूर को-चेयरमैन... केरल चुनाव के लिए कांग्रेस की कैंपेन कमेटी
- महाराष्ट्र : मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में कचरा स्टॉकयार्ड में लगी आग
- अगले महीने ईरान से परमाणु समझौते की उम्मीद, बोले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप
- सांसद पप्पू यादव की कई मामलों में दायर जमानत याचिका पर कोर्ट में आज सुनवाई होगी

आधार, बैंक डिटेल मांगी तो मि. इंडिया बने 5 लाख परिवार

इंदौर शहर से लगभग 20 हजार हितग्राही हुए कम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर/भोपाल ● मप्र में बीते 10 माह में मुफ्त राशन के ने लिए 25 लाख परिवारों ने आवेदन किया है। इन्होंने जन प्रतिनिधियों से आवेदन सत्यापित कराए, लेकिन जब खाद्य विभाग ने इन परिवारों से आधार, बैंक, समग्र आईटी और फोन नंबर की डिमांड की तो 5 लाख परिवार सामने नहीं आए। खाद्य विभाग ने इन परिवारों के आवेदनों को होल्ड कर दिया है। खाद्य विभाग द्वारा आवेदन करने वाले से आधार, बैंक, समग्र आईटी और फोन नंबर भी लिया जा रहा है। इसके साथ ही उन्हें केवाईसी भी अपडेट कराना पड़ता है, ताकि किसी तरह की समस्या न हो। आवेदन के बाद हितग्राही केवाईसी अपडेट नहीं कराते हैं, तो उनका नाम खाद्यन्न सूची में नहीं जोड़ा जाएगा।

5.45 लाख परिवारों मिल रहा राशन : मप्र में वर्तमान में 5.45 करोड़ परिवारों को पीडीएस के तहत खाद्यान्न योजना का लाभ दिया जा रहा है। इसके लिए हर साल करीब 23 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न पीडीएस में वितरित किया जाता है।

इंदौर-देवास में हटे ज्यादा नाम : पीडीएस में सबसे ज्यादा 12 हजार से अधिक हितग्राहियों के नाम

इंदौर और देवास जिलों में हटाए गए हैं। वहीं भोपाल और ग्वालियर में 3-3 हजार से अधिक हितग्राहियों के नाम हटाए गए हैं। भोपाल से ज्यादा सीहोर में नाम सूची से बाहर किए गए हैं। हालांकि इन जिलों में अभी सत्यापन का काम चल रहा है, जो इस माह तक पूरा हो जाएगा।

थंब इंप्रेशन और आईरिस से होगा राशन का वितरण : सभी पात्रों को थंब इंप्रेशन से खाद्यान्न वितरित होगा। इसकी भी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था है, जिनके थंब इंप्रेशन घिस गए हैं, उनकी आखों को स्कैन कर डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होगा। दुकानों को आईरिस स्कैन मशीन दी गई है।

खाद्यान्न योजना का लाभ ले रहे परिवार के किसी एक सदस्य के मोबाइल से ही सभी सदस्यों की फेस ई-केवायसी की जा सकती है। साथ ही मप्र से बाहर गये हितग्राही किसी भी प्रदेश में इस ऐप पर अपना ई-केवायसी कर सकते हैं। हितग्राही अपने एंड्रायड फोन पर मेरा ई-केवायसी ऐप को डाउनलोड कर फेस वेरिफिकेशन के माध्यम से ई-केवायसी कर सकता है। वृद्ध हितग्राही एवं बच्चों की ई-केवायसी भी इस ऐप से कर सकते हैं। 10 माह के अंदर ऐप के माध्यम से 12 लाख परिवारों ने केवाईसी अपडेट किया है।

सिंधिया आते हैं तभी दिखाई देते हैं... सवाल पर भड़के तुलसी सिलावट

बोले- मुझे निर्देश न दें, मैं निर्देश देता हूं; भाषा का सही इस्तेमाल करिए

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

ग्वालियर ● ग्वालियर जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट गुरुवार को प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेने मुरार स्थित सर्किट हाउस पहुंचे थे। बैठक से पहले मीडिया से बातचीत के दौरान वे रिपोर्टर पर भड़क उठे। मंत्री ने पत्रकार से कहा कि आप मुझे निर्देश नहीं दोगे, भाषा का सही इस्तेमाल करो।

दरअसल, पत्रकार ने ग्वालियर की बदहाल सड़कों और अस्पताल व्यवस्था को लेकर सवाल उठाते हुए कहा था कि मंत्री सिर्फ केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के दौरे के समय ही एक्टिव नजर आते हैं। इस सवाल को सुनते ही तुलसीराम सिलावट का लहजा

बदल गया। मंत्री तुलसीराम सिलावट गुस्से में बोले- आप मुझे निर्देश नहीं दोगे। ये पूछने का अधिकार किसी को नहीं देता हूं। मेरा लेखा जोखा पार्टी और सरकार के पास है। मेरा सालभर का चार्ट उठा लो। कब और कितनी बार प्रभारी मंत्री ग्वालियर आता है, फिर बात करना। यह सवाल पूछने का क्या औचित्य है।

मीटिंग में मंत्री ने हाल ही में हुई ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों के नुकसान की भी रिपोर्ट ली। उन्होंने बताया कि ग्वालियर ग्रामीण क्षेत्र में लगभग 1,711 किसान प्रभावित हुए हैं। इनके लिए लगभग 2 करोड़ 63 हजार रुपये की राहत राशि तय की गई है, जो 20 फरवरी को वितरित की जाएगी।

यह देश के लिए ऐतिहासिक बजट है- मंत्री सिलावट

मंत्री सिलावट ने मध्य प्रदेश बजट सत्र से पहले राज्य सरकार के कर्ज के बारे में कांग्रेस पार्टी के सवालों का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि यह देश के लिए ऐतिहासिक बजट है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश का बजट पूरे समाज के विकास और तरक्की को भी गति देगा। उन्होंने इसे विकास की नींव का पत्थर बताया।

भागीरथपुरा दूषित पानी कांड का दिखाई दिया असर

पेयजल प्रबंधन पर केंद्रित होगा इस बार नगर निगम का बजट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नगर निगम इस बार अपना बजट जल व्यवस्था पर केंद्रित करने जा रहा है। बजट में सबसे अधिक राशि भविष्य के जल प्रबंधन तथा पुरानी लाइनों को बदलकर नई पाइप लाइन डालने के लिए प्रस्तावित की गई है। लक्ष्य रखा गया है कि एक वर्ष में जल प्रबंधन पर 800 करोड़ रु. से अधिक खर्च किए जाएंगे। इसका प्रमुख कारण भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से हुई मौतें हैं। पिछले वर्षों के बजट में स्वच्छता और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को अधिक तवज्जो दी जाती थी, लेकिन इस बार ये दोनों मद दूसरे और तीसरे स्थान पर रह सकते हैं। यह संकेत नगर निगम के विभिन्न विभागों से प्राप्त बजट प्रस्तावों के आधार पर सामने आए हैं। महापौर पुष्यमित्र भार्गव पहले ही संकेत दे चुके हैं कि शहर में स्वच्छ जल उपलब्ध कराना नगर निगम की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार इंदौर स्वच्छता में नंबर वन है, उसी तरह शहर के पानी को भी दूषित होने से बचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत नर्मदा लाइन से सप्लाई होने वाले पानी तथा भूजल (ग्राउंड वॉटर) की शुद्धता सुनिश्चित की जाएगी। महापौर भार्गव ने बताया कि इंदौर में साफ पानी उपलब्ध कराना नगर निगम का प्रमुख लक्ष्य है। अमृत योजना 2.0 के तहत नगर निगम अगले तीन-चार वर्षों तक लगातार कार्य करेगा और कुल 2,500 करोड़ रु. खर्च किए जाएंगे। पहले वर्ष में 800 करोड़ के कार्यों का लक्ष्य रखा गया है।

मीटरिंग सिस्टम पर विचार- महापौर ने बताया कि नर्मदा का पानी इंदौर तक लाने और उसके वितरण में नगर निगम को बड़ी लागत वहन करनी पड़ती है। इसलिए इसके उपयोग को नियंत्रित करना आवश्यक है। पानी की बर्बादी रोकने के लिए शहर में मीटरिंग व्यवस्था लागू करने की संभावनाओं पर कंसल्टेंसी के माध्यम से काम किया जाएगा।

ताले में कैद एमवायएच का अत्याधुनिक माड्यूलर ऑपरेशन थियेटर कॉम्प्लेक्स

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश के सबसे बड़े शासकीय अस्पताल एमवायएच में स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली का सबसे बड़ा उदाहरण बन चुका है पहली मंजिल पर बनकर तैयार 9 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटरों वाला ओटी कॉम्प्लेक्स, जो तैयार होने के बाद भी कई महीनों से उद्घाटन और संचालन की राह देख रहा है। करोड़ों रुपए की लागत से बनी यह अत्याधुनिक सुविधा फाइलों, समितियों और जिम्मेदारी तय करने की रस्साकशी में उलझकर रह गई है, जबकि रोजाना सैकड़ों मरीज जर्जर और जोखिम भरे पुराने ओटी में इलाज कराने को मजबूर हैं।

8 महीने में बनना था, 24 महीने में प्रसूति रोग विभाग के प्रथम मंजिल से शिफ्ट होने के बाद यहां इस ओटी कॉम्प्लेक्स का निर्माण शुरू किया गया था। योजना थी कि 8 माह में निर्माण पूरा कर संचालन शुरू कर दिया जाएगा, लेकिन हकीकत यह है कि निर्माण पूरा हुए भी करीब दो साल बीत चुके हैं और ओटी अब तक चालू नहीं हो सका।

अंतरराष्ट्रीय साजिश का शिकार भी हो सकते हैं उत्तम स्वामी!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● श्री पंच अग्नि अखाड़े के महामंडलेश्वर और कथावाचक उत्तम स्वामी पर राजस्थान निवासी एक युवती ने दुष्कर्म करने के आरोप लगाए हैं। युवती ने 12 फरवरी को दिल्ली पुलिस कमिश्नर को ई-मेल भेजकर सुरक्षा की मांग भी की है। सूत्रों के अनुसार इस पूरे मामले को सनातन धर्म पर हमले से जोड़ा जा रहा है। चूंकि उत्तम स्वामी सनातन धर्म के प्रचार के लिए काफी सक्रिय है। राजनीतिक और प्रशासनिक हलको में उन्हें काफी सम्मान के साथ देखा जाता है। इसीलिए यह संभावना जताई जा रही है कि युवती के माध्यम से गैर सनातनी ग्रुप उत्तम स्वामी को घेरे में लेने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि पीड़िता के गैर सनातनी संपर्कों की भी जानकारी निकलाई जा रही है कि कहीं पीड़िता ने प्रचार के लिए या किसी लालच में आकर उत्तम स्वामी पर

आरोप तो नहीं लगाया? अभी तो इस मामले की जांच के बाद ही कुछ साबित हो सकेगा।

गौरतलब है कि श्री पंच अग्नि अखाड़ा (शंभू पंच अग्नि अखाड़ा) का मुख्यालय उत्तर प्रदेश के वाराणसी में है। इसकी शाखाएं प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और जूनागढ़ में भी हैं। अखाड़े के महामंडलेश्वर ईश्वरानन्द महाराज को ध्यान योगी उत्तम स्वामी के नाम से भी जाना जाता है। उत्तम स्वामी का जन्म महाराष्ट्र के अमरावती जिले के लोहगांव में हुआ था।

कांग्रेस ने जांच की मांग, भाजपा की चुप्पी

उत्तम स्वामी पर लगे दुष्कर्म के आरोपों को लेकर मध्य प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के मीडिया सलाहकार केके मिश्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर ट्वीट कर मामले में भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े नेताओं की जांच और कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल, मामले को लेकर भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, पुलिस या प्रशासन की तरफ से भी इस ट्वीट के संबंध में कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

उजागर हुआ सराफा चौपाटी का काला सच

80+दुकानें बिना लाइसेंस, नगर निगम की लिखित स्वीकारोक्ति से हड़कंप

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर की पहचान बन चुकी सराफा चौपाटी में कानून की खुलेआम धज्जियां उड़ने का बड़ा खुलासा हुआ है। संवाद क्रांति आंदोलन मध्यप्रदेश के सामाजिक कार्यकर्ता एडवोकेट पंकज प्रजापति द्वारा सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत प्राप्त जानकारी में सामने आया है कि रात में संचालित किसी भी दुकान के पास न तो ट्रेड लाइसेंस है और न ही फूड लाइसेंस। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इंदौर नगर निगम ने इस तथ्य को अपने लिखित जवाब में स्वीकार किया है।

69 की अनुमति का दावा, ज़मीनी हकीकत 80 से ज्यादा दुकानें-नगर निगम ने पहले दावा किया था कि सराफा चौपाटी में केवल 69 पारंपरिक दुकानों को

अनुमति दी गई है, लेकिन आरटीआई से यह साफ हो गया कि दुकानों की संख्या 80 से अधिक हो चुकी है।

एक भी दुकान वैध लाइसेंसधारी नहीं है- सराफा चौपाटी का नाइट मार्केट प्रशासन की मौन स्वीकृति से संचालित हो रहा है। यह स्थिति नगर निगम की गंभीर लापरवाही को उजागर करती है। रहवासियों के अनुसार दुकानों में अब भी गैस सिलेंडर और खुले बर्नर लगे हैं। संकरी गलियों में फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस तक नहीं पहुंच सकती है। यहां पहले भी आगजनी की घटनाएं हो चुकी हैं। अत्यधिक भीड़ से किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है।

परंपरा की आड़ में स्वास्थ्य से खिलवाड़

रहवासियों का आरोप है कि सराफा की सांस्कृतिक पहचान को खत्म किया जा रहा है। परंपरा के नाम पर नाइट्रोजन गैस से बना पान, पिज़्ज़ा व फास्ट फूड बेचे जा रहे हैं। यह सीधे तौर पर जन-स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है।

'जब नगर निगम खुद मान रहा है कि दुकानों के पास कोई लाइसेंस नहीं है, तो यह प्रशासनिक विफलता है। अगर तत्काल कार्रवाई नहीं हुई तो इसे लेकर कानूनी लड़ाई और जनआंदोलन किया जाएगा।'
- पंकज प्रजापति, एडवोकेट (आरटीआई के जरिए मामला सामने लाने वाले)

भाजपा विधायक प्रदीप पटेल की गुमशुदगी पर सस्पेंस, सप्रे की विधायकी पर लटकी तलवार

हाईकोर्ट में सुनवाई के पहले दलबदल पर आ सकता है स्पीकर का फैसला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मऊगंज से भाजपा विधायक प्रदीप पटेल एक बार फिर अपनी कथित गुमशुदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। एक महीने से ज्यादा हो गया वह क्षेत्र की जनता की पहुंच से दूर और गायब बताए जा रहे हैं। हमले की आशंका भी जताई गई है लेकिन अब तक पुलिस में कोई शिकायत नहीं सौंपी गई। बीना विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता पर फिर तलवार लटक गई है। 27 फरवरी को हाईकोर्ट में सुनवाई के पहले विधानसभा के फैसले पर सबकी नजरें लगी हैं। विधायक पटेल इसके पहले स्वयं को पंप हाउस में बंद करने, एडिशनल एसपी को दंडवत प्रणाम, जमीन के मुद्दे पर धरना और बिजली दफ्तर में रात 2 बजे पहुंचकर सुर्खियां बटोर चुके हैं। हाल ही में जान को खतरा बताकर उनके अंडरग्राउंड हो जाने को लेकर कई चर्चाएं चल पड़ी हैं।

गुमशुदगी की अफवाह महज पब्लिसिटी बटोरने की कवायद !

विधायक पटेल करीबियों के साथ ही पुलिस को उनकी लोकेशन की पूरी खबर है। उनकी गुमशुदगी की अफवाह को केवल पब्लिसिटी और सिम्पैथी बटोरने की कवायद के रूप में

देखा जा रहा है। पुलिस के सूत्रों का कहना है कि पटेल अपने परिवार के साथ भोपाल में हैं। जबकि भोपाल के आवास में उन्होंने गेट पर ताला लटका रखा है। कतिपय लोगों से वह फोन पर बात भी कर रहे हैं।

निर्मला सप्रे की विधायकी पर लटकी तलवार

सप्रे की सदस्यता का मामला एक बार फिर सियासी सुर्खियों में आ सागर जिले की बीना विधायक निर्मला गया है। उनकी विधायकी पर तलवार लटकी हुई है। कांग्रेस के टिकट पर

निर्वाचित निर्मला सप्रे की भाजपा के पाले में जाने के ऐलान पर कांग्रेस ने उनकी सदस्यता को चुनौती दी है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार इस मुद्दे पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात कर चुके हैं।

न्यूज ब्रीफ

जनपद शिक्षा केंद्र इंदौर ग्रामीण में जादू का पिटारा, एवं मेजिक बॉक्स का वितरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आज बीआरसीसी ग्रामीण इंदौर में राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल की ओर से प्रदत्त जादू का पिटारा एव एनजीओ कंप्यूटर शिक्षा द्वारा प्रदत्त मेजिक बॉक्स सामग्री का वितरण बीआरसीसी ग्रामीण इंदौर श्री हरिओम वैष्णव के हाथों 90 चयनित संस्थाओं को जादू का पिटारा एवं प्रथम चरण में 29 शालाओ को मैजिक बॉक्स का वितरण किया गया। श्री हरिओम वैष्णव बीआरसीसी के विशेष प्रयास से 100 मैजिक बॉक्स मिलेंगे जो इंदौर ग्रामीण के स्कूलों को वितरित किए जावेंगे। वैष्णव जी का प्रयास हे कि हमारे सभी 225 स्कूलों को यह मेजिक बॉक्स मिले। इस अवसर पर चयनित संस्थाओं के प्रधानपाठकों को बीएससी श्रीमति रश्मि गोले, श्रीमती शिल्पी शिवान मैडम ने विस्तारपूर्वक बताया कि जादुई पिटारे का किस प्रकार खेल खेल के माध्यम से इसका उपयोग किया जाएगा। जादुई पिटारे में बहुत ही रोचक सामग्रियां होगी जो क्लास पहली से पांचवीं तक के बच्चो के लिए शिक्षण में मिल का पत्थर साबित होगी।

महाशिवरात्रि पर बाबा बालेश्वर महादेव का होगा श्रृंगार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर मोती तबेला स्थित संत गाडगे बाबा धर्मशाला पर बाबा बालेश्वर महादेव का श्रृंगार वह महा आरती का आयोजन किया जाएगा समिति के अध्यक्ष मुकेश सोलंकी ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी बाबा बालेश्वर महादेव का श्रृंगार वह महा आरती का आयोजन किया जाएगा आरती के पश्चात खिचड़ी प्रसादी का वितरण भी किया जाएगा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा 3 के विधायक गोलू जी शुक्ला वह जीतू जी कुशवाह होंगे कार्यक्रम में मुख्य रूप से रजक समाज के अध्यक्ष गब्बर खटवा राजेंद्र मालवीय सुरेश बंजरिया नवीन सिसोदिया श्याम खत्री अशोक परमार मुकेश वर्मा आदि लोग उपस्थित होंगे

इंदौर के स्थानीय व्यापारियों को भी मिले प्राथमिकता

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अहिल्या गारमेंट सिटी बलाई जागीर में निर्माण दिन होने वाली इकाई में इंदौर के स्थानीय वस्त्र व्यापारियों को प्राथमिकता देने की मांग प्रसिद्ध वस्त्र व्यवसाई विक्की कॉलोनी ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि एमपी आईडीसी द्वारा स्थापित की जा रही नई गारमेंट इकाई अहिल्या गारमेंट सिटी बरलाई जागीर में मुंबई दिल्ली कोलकाता की बड़ी इकाइयों के साथ ही इंदौर के स्थानीय वस्त्र व्यवसायियों को प्राथमिकता देने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी द्वारा रेडीमेड गारमेंट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सांवेर विधानसभा में 44 करोड़ की लागत से 33 हैकटेयर में औद्योगिक इकाई स्थापित की जा रही है। इससे हजारों कर्मचारियों को रोजगार मिलेगा।

इंदौर से पीथमपुर जाना होगा आसान, 2360 करोड़ की लागत से बनेगा 8 लेन कॉरिडोर, मिली मंजूरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ी परियोजना को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में इंदौर और पीथमपुर को जोड़ने वाले 21 किलोमीटर लंबे आठ-लेन आर्थिक कॉरिडोर के प्रस्ताव पर मुहर लग गई है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर करीब 2360 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है।

यह कॉरिडोर सिर्फ एक सड़क नहीं, बल्कि मालवा क्षेत्र के आर्थिक भविष्य को बदलने वाला एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह इंदौर से शुरू होकर पीथमपुर के एबी रोड तक जाएगा और इस दौरान इंदौर एयरपोर्ट को भी इससे जोड़ा जाएगा, जिससे औद्योगिक क्षेत्र की कनेक्टिविटी में अभूतपूर्व सुधार होगा।

इस परियोजना की सबसे खास बात इसका लैंड पूलिंग मॉडल है, जिसमें किसानों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। कॉरिडोर के निर्माण के लिए 17 गांवों के किसानों से लगभग 3200 एकड़ जमीन ली जाएगी। इसके तहत कॉरिडोर के दोनों ओर 3 से 5 किलोमीटर चौड़ा एक औद्योगिक ज़ोन विकसित किया जाएगा।

यह राज्य की पहली ऐसी योजना है, जिसे किसानों का व्यापक समर्थन मिला है। इसका मुख्य कारण यह है कि सरकार लैंड पूलिंग एक्ट के तहत किसानों को उनकी विकसित भूमि का 60 प्रतिशत हिस्सा लौटा देगी। कानून में 50 प्रतिशत भूमि लौटाने का प्रावधान है, लेकिन मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश पर इसे बढ़ाकर 60 प्रतिशत किया गया है।

रोजगार और विकास के नए द्वार

किसानों को जो विकसित जमीन वापस मिलेगी, उस पर वे खुद उद्योग लगा सकेंगे या उसे व्यावसायिक उपयोग के लिए बेच सकेंगे। इससे वे सिर्फ जमीन मालिक नहीं, बल्कि विकास में भागीदार भी बनेंगे। इस योजना में शिवखेड़ा, नरलाय, सिन्दोड़ा, बिसनावदा, नैनोद, भैंसलाय और धन्नड़ समेत कुल 17 गांवों की जमीन शामिल है। इस औद्योगिक जोन में हाउसिंग स्कीम्स, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मॉल और ऑफिस एरिया भी विकसित किए जाएंगे। किसान और बिल्डर मिलकर कॉलोनियां भी बना सकेंगे। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के हजारों नए अवसर पैदा होंगे और पूरे क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। सरकार का मानना है कि यह कॉरिडोर मालवा के विकास को नए पंख लगाएगा और इंदौर-पीथमपुर के बीच यात्रा का समय भी काफी कम हो जाएगा।

संत श्री सेवालाल महाराज के नगर कीर्तन यात्रा प्रचार रथ का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बंजारा समाज के प्रचारक मोहन राठौर ने बताया कि संत श्री सेवालाल महाराज की 287 वीं जयंती बड़ा गणपति से तोपखाना गुरुद्वारा तक निकलने वाली नगर कीर्तन (शौभा यात्रा) का प्रचार रथ का शुभारंभ रणजीत हनुमान मंदिर पर पूजा अर्जन कर हरी झंडी दिखाकर सांसद प्रतिनिधि विशाल किदवानी ने किया । इस अवसर पर राजपाल जाधव, शंकर चौहान एडवोकेट, प्रकाश मानावत, किरपाल सिंह जाधव, बबिता बाई राठौड़, रामेश्वर पंवार, शंकर पवार पत्रकार, बबलू राठौर, कालूराम ठेकेदार, करण नायक, कनीराम राठौर, जितेंद्र चौहान, गणपत नायक, जगराम जाधव, आशीष चौहान, हरि चौहान, जमनालाल राठौड़, श्रीमती गिरजा राठौड़, गणपत नायक, रामदास एडवोकेट, तके सिंह पंवार, लक्ष्मण सिंह राठौड़ आदि बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

डीएवीवी झाबुआ में खोलेगी मेडिकल कॉलेज :सरकार से मिला ग्रीन सिग्नल, विवि ने एनएमसी को भेजा आवेदन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) के खुद के मेडिकल कॉलेज का 25 साल पुराना सपना अब हकीकत में बदलने जा रहा है। राज्य सरकार ने इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट को 'ग्रीन सिग्नल' देते हुए इसेंसिएलिटी सर्टिफिकेट (अनिवार्यता प्रमाण पत्र) जारी कर दिया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय ने नेशनल मेडिकल काउंसिल के पास आवेदन जमा कर दिया है।

इंदौर के छोटा बांगड़दा में 2001 से यह प्रोजेक्ट जमीन की कमी के कारण अटका था। इंदौर में यूनिवर्सिटी के पास पहले 50 एकड़ जमीन थी, जो अब घटकर मात्र 12 एकड़ रह गई है। यह मेडिकल कॉलेज के मानकों के लिए काफी कम है। कुलपति प्रो. राकेश सिंघई की पहल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की रुचि के बाद इसे झाबुआ शिफ्ट किया गया, ताकि पिछड़े आदिवासी क्षेत्रों में बेहतर इलाज और शिक्षा पहुंच सके।

यूनिवर्सिटी प्रशासन की कोशिश है कि अगले शैक्षणिक सत्र से ही एमबीबीएस की सीटें आवंटित हो जाएं। झाबुआ स्थित आरजीपीवी के यूआईटी भवन में कॉलेज शुरू होगा। इसके लिए आरजीपीवी को 60 करोड़ रुपए की क्षतिपूर्ति दी जाएगी। आगे चलकर 100 एकड़ जमीन पर विशाल कैंपस विकसित किया जाएगा। कुलपति प्रो. राकेश सिंघई के अनुसार, इस कॉलेज के खुलने से जिला अस्पतालों को विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम और आधुनिक संसाधन मिलेंगे। कॉलेज और अस्पताल के कारण क्षेत्र में बाजार और रोजगार की नई संभावनाएं पैदा होंगी। आदिवासी अंचल के मेधावी छात्र अपने ही क्षेत्र में रहकर डॉक्टर बन सकेंगे। इंदौर के छोटा बांगड़दा की 12 एकड़ जमीन को लेकर पेंच अभी फंसा हुआ है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह जमीन केवल चिकित्सा शिक्षा के लिए आरक्षित है।

आबकारी इंदौर की अवैध मदिरा के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार इंदौर जिले में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। कंट्रोलर देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल तथा सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री राघवेंद्र सिंह कुशवाह के नेतृत्व में आज वृत्त - पलासिया प्रभारी प्रियंका रानी चौरसिया की टीम के द्वारा गश्त के दौरान नवलखा रोड से अवैध मदिरा परिवहन पर प्रभावी कार्यवाही की गई।

कार्यवाही में एक दोपहिया वाहन टीवीएस श्व20 जुपिटर स्कूटर से अवैध मदिरा परिवहन कर ले जाई जा रही काले बड़े बेग और गाड़ी की डिक्की में 150 पाव देशी मसाला मदिरा एवं 100 पाव देशी प्लेन मदिरा सहित कुल 250 पाव देशी मदिरा (कुल 45 बल्क लीटर) बरामद की गई। बरामद मदिरा को वाहन सहित जप्त कर आरोपी सुमित पिता राधेश्याम चौकसे निवासी पीथमपुर सिटी होम्स कॉलोनी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)क के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। मदिरा व वाहन का कुल बाज़ार मूल्य लगभग 1 लाख 23 हजार 400 रुपए है। प्रकरण में विवेचना जारी है। आज की कार्यवाही में आबकारी आरक्षक अजय चंद्रवाल, तरुण सिंह जाट, परमजीत कौर का सराहनीय योगदान रहा।

नवाआचार्य श्री समय सागर जी के करकमलों से जैनेश्वरी मुनिदीक्षा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्रंमण संस्कृति के समाधीष्ट महामहिम संत शिरोमणि आचार्य भगवन श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य वर्तमान नवाआचार्य परमेष्टि श्री समयसागर जी महाराज दीक्षा देंगे। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि 19 फरवरी गुरुवार 2026, फाल्गुन शुक्ल द्वितीयट्ठ को अपने हस्त करकमलों से दिगंबर जैनेश्वरी मुनिदीक्षा एक दर्जन से अधिक शिष्यो को प्रदान करेंगे एवं दीक्षा महोत्सव में पधारे समाज जन हर्षित मन से नमोस्तु शासन जयवंत हो गुंजायमान करेंगे। भव्य दीक्षा स्थलश्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरि जी में प्रदान करेंगे।

प्यार के चक्कर में लुट मत जाना!
वैलेंटाइन वीक में डेटिंग ऐप से युवाओं को निशाना बना रहे साइबर ठग, एडवाइजरी जारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वैलेंटाइन वीक में जहां लोग रिश्तों की शुरुआत कर रहे हैं, वहीं साइबर ठग इस मौके को ठगी के सीजन में बदल चुके हैं, डेटिंग एप्स पर दोस्ती, फिर गिफ्ट और मुलाकात के नाम पर लोगों से हजारों-लाखों की ठगी हो रही है, हालात को देखते हुए खुद क्राइम ब्रांच ने एडवाइजरी जारी कर लोगों को सतर्क रहने की अपील की है। खास बात यह कि वेलेंटाइन वीक में इस तरह की वारदातें सबसे अधिक सामने आ रही है।

वैलेंटाइन वीक शुरू होते ही साइबर ठगों की सक्रियता भी तेज हो गई है, प्यार और दोस्ती की तलाश कर रहे लोगों को निशाना बनाकर ठग डेटिंग एप्स पर फर्जी प्रोफाइल बना रहे हैं। आकर्षक तस्वीरें, मीठी बातें और भरोसे की कहानी के जरिए पहले नजदीकियां बढ़ाई जाती हैं, फिर धीरे-धीरे ठगी का जाल बुना जाता है, साइबर अपराधी अक्सर खुद को बड़े शहरों या विदेश में काम करने वाला बताकर लोगों को प्रभावित करते हैं, लगातार चैटिंग और वीडियो कॉल के जरिए भावनात्मक रिश्ता बनाया जाता है ताकि सामने वाला बिना सोचे-समझे उन पर भरोसा करने लगे, जैसे ही भरोसा पुख्ता होता है, ठग गिफ्ट भेजने, होटल बुकिंग, घूमने की योजना या अचानक मेडिकल इमरजेंसी का बहाना बनाकर पैसे मांगने लगते हैं। कई मामलों में पीड़ितों को यह बताया जाता है कि उनके नाम पर महंगे गिफ्ट भेजे गए हैं जो कस्टम में फंस गए हैं, और उन्हें छुड़ाने के लिए तुरंत शुल्क जमा करना होगा, डर और भावनाओं के दबाव में लोग हजारों से लेकर लाखों रुपए तक ट्रांसफर कर देते हैं, लेकिन इसके बाद ठग संपर्क तोड़ देते हैं।

नरसीमुंजी कॉलेज में वेलेंटाइन डे मनाने पर बजरंग दल का हंगामा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के नरसीमुंजी कॉलेज में वेलेंटाइन डे का आयोजन हुआ। जानकारी मिलने पर बजरंग दल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता कॉलेज पहुंचे। यहां टेबल तोड़ी गई और नारेबाजी हुई।

इंदौर के नरसीमुंजी कॉलेज में वेलेंटाइन डे के आयोजन को लेकर बवाल हो गया। कार्यक्रम की जानकारी मिलने पर बजरंग दल पदाधिकारी, कार्यकर्ता गांधीनगर स्थित कॉलेज परिसर में पहुंचे। यहां टेबल तोड़ी गई, नारेबाजी हुई। इनका आरोप है कि वेलेंटाइन डे के नाम पर अश्लीललता हो रही थी। साथ ही अन्य वर्ग के युवा हिंदू लड़कियों के साथ मौजूद थे।

निम्स (नरसीमुंजी) संस्थान गांधीनगर में बेक सेल नाम से एक कार्यक्रम हो रहा था। इसमें वेलेंटाइन डे से जुड़ी सामग्री बेची जा रही थी। बजरंग दल के तन्नू शर्मा ने बताया कि आयोजन में बड़ी संख्या में हिंदू लड़कियों के साथ अन्य वर्ग के युवक भी मौजूद थे। इसे भारतीय संस्कृति के खिलाफ बताते हुए कार्यक्रम बंद कराने की मांग की थी। कार्यक्रम की आड़ में अश्लीलता हो रही थी। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने वहां टेबल फेंकी, कांच भी टूटे, इनके हाथ में प्लास्टिक के डंडे थे। साथ ही जयश्री राम के नारे लगाए गए। मौके पर पुलिस पहुंची। उधर विरोध में बजरंग दल कार्यकर्ता कॉलेज परिसर में ही धरना देकर भजन गाने बैठ गए। डीसीपी कृष्णलाल चंदानी के अनुसार हिंदूवादी संगठनों के कुछ लोग कॉलेज परिसर पहुंचे थे। जहां तोड़फोड़ और नारेबाजी की घटना हुई। दो थानों की पुलिस मौके पर पहुंची।

मध्यप्रदेश में खत्म हो रहा सर्दी का असर, रात में भी टेम्परेचर बढ़ा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पहाड़ों में भले ही बर्फबारी हो रही हो, लेकिन मध्य प्रदेश में सर्दी का असर खत्म होने लगा है। 15 से ज्यादा शहरों में दिन का टेम्पेरेचर 30 डिग्री पार पहुंच चुका है, तो रात में 10 डिग्री से ज्यादा है। अगले 2 दिन तक हल्की ठंड जरूर रहेगी, लेकिन फिर न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री की बढ़ोतरी हो जाएगी। ढ्ढरूष्ठ (मौसम केंद्र), भोपाल के अनुसार, 13 और 16 फरवरी को पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में दो विस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हो रहे हैं। पहाड़ों में इनका असर देखने को मिलेगा, लेकिन एमपी में कम रहेगा। हालांकि, मौजूदा सिस्टम की वजह से प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में हल्के बादल छाए हुए हैं। बुधवार को कुछ जिलों में मौसम का का मिजाज बदला हुआ रहा। गुरुवार को भी बादल छा सकते हैं। मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में पहाड़ों में बर्फबारी हो रही है। सिस्टम गुजरने और बर्फ पिघलने के बाद मौसम में फिर से बदलाव देखने को मिलेगा। हल्की सर्दी का एक और दौर आ सकता है।

राहत | मंडी शिफ्टिंग के बाद छावनी अनाज मंडी की 17 एकड़ जमीन का इस्तेमाल शहर हित में हो सकेगा

छावनी मंडी होगी शिफ्ट, मोरोद के वन विभाग की जमीन मंडी बोर्ड को मिलेगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● छावनी की 66 साल पुरानी अनाज मंडी को शिफ्ट करने की कवायद बीते कुछ वर्षों से चल रही है। मगर इसमें सबसे बड़ी बाधा वन विभाग की जमीन के चलते आ रही थी। अब मोरोद में 200 एकड़ पर आधुनिक मंडी विकसित करने का रास्ता साफ हो गया है, क्योंकि वन विभाग ने एनओसी दे दी है, जिसके चलते मंडी बोर्ड ही विकास कार्य शुरू कर सकेगा। हालांकि पहले प्राधिकरण के माध्यम से मंडी विकसित करवाने की भी योजना तत्कालीन कलेक्टर आशीष सिंह ने तैयार कराई थी और उसके एवज में छावनी अनाज मंडी की 17 एकड़ जमीन दी जाना थी। मगर अब अगर मंडी बोर्ड ही यह काम करेगा तो फिर छावनी की जमीन का उपयोग शहर हित के प्रोजेक्टों में किया जा सकेगा।

बीच शहर में मौजूद छावनी अनाज मंडी के कारण यातायात भी जाम रहता है और पार्किंग सहित अन्य समस्याएं भी हैं, जिसके चलते मोरोद में मंडी को शिफ्ट करने की योजना बनाई गई और 200 एकड़ जमीन प्रशासन ने इसके लिए चिन्हित की। मगर चूंकि यह जमीन वन विभाग के स्वामित्व में है, जिसके चलते मंडी शिफ्टिंग का काम इतने समय से लम्बित पड़ा रहा। मगर अब वन विभाग ने इस जमीन पर अपनी एनओसी दे दी है और शासन इतनी ही जमीन वन विभाग को अन्य कहीं आबंटित कर देगा।

प्राधिकरण के माध्यम से भी विकसित कराने का रखा है विकल्प

पूर्व में मोरोद की नई मंडी को विकसित करवाने की जिम्मेदारी इंदौर विकास प्राधिकरण को सौंपने का निर्णय भी प्रशासन ने लिया था और उसके बदले छावनी की 17 एकड़ जमीन प्राधिकरण को दी जाती, जो उसका व्यावसायिक इस्तेमाल करता और नई मंडी को विकसित करने में जो धनराशि खर्च होगी उसकी प्रतिपूर्ति छावनी की जमीन से की जाती। इसके लिए मास्टर प्लान में भू-उपयोग भी बदलवाकर व्यावसायिक करवाने का निर्णय लिया था। मगर अब मंडी बोर्ड भी तैयार है, खुद विकसित करने के लिए। हालांकि अभी भी प्राधिकरण का विकल्प तो मौजूद है ही।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने वन विभाग से एनओसी मिलने की पुष्टि भी की और दूसरी तरफ मंडी आयुक्त कुमार पुरुषोत्तम से पूछने पर उन्होंने भी कहा कि एनओसी तो मिल गई है, मगर अब शासन को ये जमीन मंडी बोर्ड को आवंटित करना होगी। इसके बाद फिर बोर्ड ही यहां पर आधुनिक मंडी विकसित करने का काम शुरू करेगा। वर्तमान में जो छावनी अनाज मंडी की जो 17 एकड़ जमीन है उसके भी दस्तावेजों की प्रशासन जांच करवा रहा है, ताकि यह निश्चित हो सके कि इस जमीन का स्वामित्व किसके पास है और वर्तमान में इसका इस्तेमाल किस तरह से हो सकता है।

दिव्य शक्ति पीठ परिसर में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के रेडिसन चौराहे के पास स्थित दिव्य शक्ति पीठ परिसर में गुरुवार 12 फरवरी से संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हो गया है। यह आयोजन 18 फरवरी तक परिसर पर चलेगा। कथा के पहले दिन महक वाटिका एमआर 9 रोड से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यह यात्रा धीरज नगर,रामकृष्ण बाग, तपेश्वरी बाग से होते हुए कथा स्थल तक पहुंची। इसमें बड़ी संख्या में पीत वस्त्र धारण किए महिलाएं सिर पर कलश लेकर चल रही थीं। व सैकड़ों की संख्या में युवा शामिल हुए। श्रीमद् भागवत कथा के संरक्षक डॉ निशांत खरे जी ने इस आयोजन के महत्व को बताते हुए कहा कि भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को संस्कार, सेवा और सद्भाव का संदेश देने का माध्यम है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शुक्रवार 13 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

धरावरा धाम पर मानस सम्मेलन एवं भागवत ज्ञान यज्ञ के लिए वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ भूमि पूजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●धार रोड स्थित प्राचीन आस्था केंद्र धरावरा धाम पर 22 से 28 फरवरी तक आश्रम के संस्थापक साकेतवासी महंत घनश्याम दास महाराज की 17 वीं पुण्यतिथि के प्रसंग पर होने वाले श्री मानस सम्मलेन एवं भागवत ज्ञान यज्ञ के दिव्य अनुष्ठान हेतु भूमि पूजन आज दोपहर अभिजीत मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आश्रम के अधिष्ठाता महंत शुकदेव दास महाराज के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य यजमान समाजसेवी नानूराम चौधरी ने संयोजक डॉ. सुरेश चोपड़ा, ललित अग्रवाल एवं अन्य सहयोगी बंधुओं के साथ पहली गेंती चलाकर भूमि पूजन की रस्म सम्पन्न की।

भोले बाबा और गौरा माई के जयघोष से गूंजता रहा मनकामेश्वर कांटाफोड़ मंदिर-आज लगेगी मेहंदी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नवलखा स्थित मनकामेश्वर कांटाफोड़ शिव मंदिर पर गुरुवार को पांच दिवसीय शिव विवाह एवं शिवरात्रि महोत्सव का शुभारंभ दूल्हे बने भोले बाबा और दुल्हन बनी गौरा माई को सैकड़ों भक्तों द्वारा हल्दी लगाने के साथ हुआ। इस दौरान मंदिर परिसर ओम नम: शिवाय महामंत्र एवं शिव-पार्वती के जयघोष से गुंजायमान बना रहा। सैकड़ों भक्तों ने सुबह कतारबद्ध होकर अपने आराध्य को हल्दी लगाकर श्रृंगारित किया। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विष्णु बिंदल, टीकमचंद गर्ग एवं संयोजक बी.के. गोयल ने बताया कि मंदिर पर सुबह से ही भगवान को दूल्हे के रूप में हल्दी लगाने के लिए भक्तों का आगमन शुरू हो गया था। मंदिर के भक्त मंडल की ओर से एक विशाल पात्र में पहले से ही हल्दी घोलकर रख ली गई थी।

पंचकुइया मोक्ष धाम स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर पर न तो भगवान भोलेनाथ को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●शहर के पश्चिम क्षेत्र, पंचकुइया मोक्षधाम स्थित श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर संभवत: शहर का एकमात्र ऐसा शिव मंदिर है जहाँ शिवरात्रि पर भोले बाबा के विवाह से संबंधित कोई भी रस्म होने के बजाय शास्त्रीय संगीत निशा का दिव्य आयोजन होते आ रहा है। होलकर शासनकाल में करीब 300 वर्ष पहले स्थापित इस मंदिर में यह परम्परा करीब 88 वर्ष पुरानी है। मोक्ष धाम अर्थात स्मशान घाट का क्षेत्र होने के कारण यह मान्यता है कि यहाँ आने वाले पार्थिव शरीर भगवान शिव की दृष्टि पड़ने से सहज ही मोक्ष को प्राप्त होते हैं। इस प्राचीन मंदिर पर चारों प्रहर पूजा का भी विशेष प्रावधान है। इस बार भी 15 फरवरी को वैदिक मंत्रोच्चार, शैव आगमिक विधि और पारम्परिक पूजन संस्कारों की सात्विक धारा के बीच चारों प्रहर पूजा होगी।

स्कूल संचालक अभिभावकों को एक ही दुकान से किताब, कॉपी खरीदने के लिए नहीं करेंगे बाध्य

प्रवेश प्रक्रिया से पहले कलेक्टर का आदेश, शिकायतों पर होगी सख्त कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिले में अब स्कूल संचालक अभिभावकों को एक ही दुकान से किताब, कॉपी और यूनिफॉर्म खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकेंगे। कलेक्टर शिवम् वर्मा ने नए शैक्षणिक सत्र की प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिए हैं, ताकि स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाई जा सके और अभिभावकों को राहत मिल सके। कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 (1) एवं (2) के तहत स्कूल संचालकों, प्रकाशकों और विक्रेताओं की एकाधिकार प्रवृत्ति समाप्त करने के उद्देश्य से यह आदेश जारी किया गया है। तीन पुस्तक विक्रेताओं के नाम देना होंगे अनिवार्य आदेश के तहत विद्यालय संचालक अनिवार्य पुस्तकों की सूची परीक्षा परिणाम जारी होने सेपहले अपनी स्कूल वेबसाइट पर अपलोड करेंगे और विद्यालय परिसर में सार्वजनिक स्थान पर चस्पा करेंगे। स्कूल प्रबंधन अभिभावकों को पुस्तकें, कॉपियां और संपूर्ण यूनिफॉर्म किसी एक विशेष दुकान या संस्था से खरीदने के लिए बाध्य नहीं करेगा। मान्यता नियमों के अनुसार प्रत्येक स्कूल की स्वयं की वेबसाइट होना अनिवार्य है। स्कूल संचालकों को कम-से-कम तीन पुस्तक एवं यूनिफॉर्म विक्रेताओं की सूची अभिभावकों को उपलब्ध करानी होगी।

निजी प्रकाशकों की पुस्तकों के लिए बाध्यता नहीं

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अभिभावकों को परीक्षा परिणाम के पूर्व या तुरंत बाद पुस्तकें खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा। वे उपलब्धता के आधार पर 15 जून तक पुस्तकें खरीद सकेंगे। नैतिक शिक्षा, सामान्य ज्ञान, कम्प्यूटर आदि विषयों की निजी प्रकाशकों या मुद्रकों की पुस्तकों को खरीदने के लिए भी बाध्य नहीं किया जाएगा। कोई भी विक्रेता स्कूल परिसर में प्रचार-प्रसार के लिए प्रवेश नहीं कर सकेगा।

पाठ्य सामग्री पर स्कूल का नाम नहीं छपेगा

किसी भी पुस्तक या कॉपी पर विद्यालय का नाम मुद्रित नहीं किया जाएगा। इसी प्रकार किताबों पर चढ़ाए जाने वाले कवर पर भी स्कूल का नाम छापना प्रतिबंधित रहेगा। कोई भी विद्यालय दो से अधिक प्रकार की यूनिफॉर्म निर्धारित नहीं करेगा। ब्लेजर या स्वेटर इसके अतिरिक्त होंगे। विद्यालय प्रशासन यूनिफॉर्म का निर्धारण इस प्रकार करेगा कि कम-से-कम तीन वर्षों तक उसमें कोई परिवर्तन न किया जाए।

आकाशवाणी इंदौर ने रचा इतिहास

श्रीमहाकाल राजसी सवारी का अनवरत प्रसारण पर मिला World Greatest Record का प्रमाण पत्र

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आकाशवाणी इंदौर को World Greatest Record का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। विगत वर्ष 18 अगस्त को श्रीमहाकाल राजसी सवारी का आकाशवाणी इंदौर की क्रियेटिव टीम द्वारा अनवरत 05.30 घंटे तक सजीव ऑखों देखा हाल प्रसारित किया था, जिसे मध्यप्रदेश स्थित आकाशवाणी के सभी 19 केंद्रो द्वारा एक साथ रिले किया गया। इस अभूतपूर्व कार्य की सराहना करते हुए इसे World Greatest Record की सूची में दर्ज किया गया।

इस उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आकाशवाणी इंदौर की प्रसारणकर्ता की टीम में प्रमुख भूमिका निभाने वाले ब्रहमप्रकाश चतुर्वेदी, सुधा शर्मा, उदित तिवारी, मुकामसिंह चौहान, अखिलेश बाथम के साथ तकनीकी टीम से सुदर्शन अंसोलिया एवं अभय कुमार गुप्ता और कार्यक्रम विंग के साथियों को World Greatest Record के प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन के परिसर में आयोजित इस भव्य समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आकाशवाणी की अभूतपूर्व उपलब्धि राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास में एक नया रिकार्ड स्थापित करने की बात कही। ये रिकार्ड Nirvin WorldÓs Greatest Record (NWGR) द्वारा प्रदान किए गए, जिसमें संस्था की सचिव सुश्री लतिका शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

वृद्धजनों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर आयुष विभाग का स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला आयुष अधिकारी एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण संचालनालय सामाजिक विभाग भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में जिले के वृद्ध एवं वरिष्ठजनों का स्वास्थ्य परीक्षण, योग अभ्यास एवं शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर व्याख्यान आदि कार्यक्रम के लिए शिविर का आयोजन किया गया। श्री महिला उत्कर्ष संस्थान गणेश बुजुर्ग आश्रम बाणगंगा इंदौर में आयोजित इस शिविर में 46 वरिष्ठजनों ने उपस्थित होकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया।

संभागीय आयुष अधिकारी डॉ. मीना भायल एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने बताया कि 12 फरवरी को स्वास्थ्य शिविर में योग शिविर, शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर व्याख्यान खेलकूद का आयोजन किया गया। वरिष्ठजनों के लिए Holistic Well-being Camps का आयोजन किया गया। वरिष्ठजनों को कुर्सी पर बैठे बैठे योग का प्रशिक्षण डॉ. जितेन्द्र भालसे और श्री उमेश चौहान ने प्रदान किया। स्वास्थ्य परीक्षण डॉ. ज्योति बडोले ने किया। पौषाहार आहार में तिरंगा आहार की जानकारी सुश्री रचना निगम ने प्रदान की। औषधि वितरण सुश्री बसन्ती दौडवे और सुश्री रेखा भदौरिया ने किया। संस्था अध्यक्ष नेहा शर्मा ने आभार माना।

निर्वाण लाडू चढ़ाकर प्रभु अर्चना, 51 दंपतियों ने मनाया मोक्ष कल्याणक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिगंबर जैन सोशल ग्रुप इंदौर नगर द्वारा कलानी नगर स्थित त्रिमूर्ति जिनालय में भगवान सुपाश्वर्नाथ का भव्य पूजन-अर्चन किया । ग्रुप के 51 दंपति सदस्यों ने सामूहिक रूप से निर्वाण उत्सव (मोक्ष कल्याणक) श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया तथा निर्वाण लाडू चढ़ाकर प्रभु की आराधना की। प्रचार प्रमुख होलासराय सोनी एवं ग्रुप अध्यक्ष संजय जैन-सुनीता जैन ने बताया कि कार्यक्रम में सौधर्म इन्द्र की भूमिका सनत जैन-संगीता जैन ने निभाई, जबकि मुख्य इन्द्र के रूप में सतीश वेद-रीता वेद, विनोद जैन-किरण जैन तथा अशोक जैन-शोभा जैन उपस्थित रहे।

पूजन के स्वर डॉ. संगीता विनायका, डॉ. चंदा बड़जात्या एवं सुधीर जैन ने किए। पूरे कार्यक्रम के दौरान जिनालय में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

एमपी ट्रांसको के 220 केवी विदिशा सबस्टेशन पर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) की जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी के अंतर्गत विदिशा जिले के 220 केवी विदिशा सबस्टेशन पर सुरक्षा एवं सबस्टेशन संचालन से संबंधित एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान अधीक्षण अभियंता श्री शेखर फटाले एवं कार्यपालन अभियंता संजय श्रीवास्तव ने सबस्टेशन मेंटेनेंस एवं आपरेशन कार्यों के दौरान अपनाई जाने वाली आवश्यक सुरक्षा प्रक्रियाओं को बिंदुवार समझाया।

सुरक्षित एवं व्यवहारिक कार्य प्रणाली पर दिया जोर कार्यशाला में कार्यस्थल पर लापरवाही रोकने के महत्व पर विशेष जोर देते हुए दुर्घटनाओं से बचाव हेतु व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी, जिससे कार्मिकों एवं उपकरणों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। एम.पी. ट्रांसको की जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी के अंतर्गत निर्धारित स्टेंडर्ड आपरेटिंग प्रोसीजर(एसओपी) एवं सेफ्टी प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने पर बल दिया गया।

इस कार्यशाला मे सबस्टेशन के अभियंता एवं नियमित व आउटसोर्स तकनीकी कर्मियों ने सक्रिय सहभागिता की। प्रतिभागियों को सुरक्षित कार्य पद्धतियों, सुरक्षा उपकरणों के उपयोग तथा निर्बाध एवं सुरक्षित विद्युत पारेषण बनाए रखने हेतु समन्वित टीमवर्क के प्रति जागरूक भी किया गया।

इंदौर-उज्जैन मार्ग पर श्रीमती नीना देवी अग्रवाल की स्मृति में करीब 10 करोड़ लागत से बनाया जाएगा भव्य प्रवेश द्वार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन एवं इंदौर नगर निगम के बीच जन भागीदारी के माध्यम से इंदौर-उज्जैन मार्ग पर लगभग 8 से 10 करोड़ रुपए की लागत से एक भव्य द्वार का निर्माण करने पर सहमति बन गई है। यह प्रवेश द्वार फाउंडेशन के चेयरमैन विनोद अग्रवाल द्वारा उनकी धर्मपत्नी श्रीमती नीना देवी अग्रवाल की स्मृति में उनके संस्थानों एमराल्ड एवं अग्रवाल कोल कारपोरेशन ग्रुप ऑफ़ कंपनी की ओर से बनवाया जाएगा। यह प्रवेश द्वार इंदौर के लिए गौरव का प्रतीक चिन्ह होगा जो इंदौर-उज्जैन टोल बूथ के पहले बनाया जाएगा। आगामी सिंहस्थ मेले के पूर्व इसका निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने गुरुवार को इंदौर स्मार्ट सिटी कार्यालय पर आयोजित एक बैठक में फाउंडेशन के चेयरमैन विनोद अग्रवाल और नगर निगम के अन्य अधिकारियों के साथ इस प्रोजेक्ट की योजना पर विचार मंथन कर दोनों पक्षों के बीच इस आशय का अनुबंध भी स्वीकृत कर लिया गया। फाउंडेशन एवं नगर निगम के बीच हुई इस बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रवेश द्वार 233 फीट चौड़ा और 61 फीट ऊँचा होगा जो इंदौर-उज्जैन वासियों के साथ ही सिंहस्थ मेले में आने वाले देश-विदेश के लाखों श्रद्धालुओं के लिए भी आकर्षण एवं सौन्दर्य का केंद्र बनेगा। इस द्वार का निर्माण कार्य देश-विदेश की प्रतिष्ठित आर्किटेक्चर कंपनी के माध्यम से कराया जाएगा और प्रवेश द्वार के दोनों ओर अनेक सौन्दर्य कलाकृतियाँ भी बनाई जाएंगी।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

मदद करने वाले कुचले गए, रफ्तार, लापरवाही और कमजोर यातायात व्यवस्था की कड़वी सच्चाई है दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे हादसा

उत्तर प्रदेश में नोएडा के सेक्टर-62 के पास दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर सोमवार देर रात हुआ, जिसमें एक घायल व्यक्ति की मदद कर रहे तीन लोगों को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया, जिनमें से दो की मौत हो गई। सरकार के तमाम दावों के बावजूद वाहनों की तेज रफ्तार पर लगाम नहीं लग पा रही है। देश भर में हर साल होने वाले सड़क हादसों में तेज गति से वाहन चलाना एक बड़े कारण के रूप में उभरकर सामने आता है। वजह साफ है कि यातायात नियमों का पूरी तरह अमल सुनिश्चित करने में हर स्तर पर लापरवाही बरती जा रही है। खास तौर से राजमार्गों पर चलने वाले भारी वाहनों से जोखिम लगातार बढ़ता जा रहा है। नतीजा यह है कि व्यवस्था में खामियों का खमियाजा निर्दोष लोगों को भुगतना पड़ रहा है। ऐसा ही एक दर्दनाक हादसा उत्तर प्रदेश में नोएडा के सेक्टर-62 के पास दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर सोमवार देर रात हुआ, जिसमें एक घायल व्यक्ति की मदद कर रहे तीन लोगों को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया, जिनमें से दो की मौत हो गई। इस घटना ने सड़क पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर फिर से गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या राजमार्गों पर वाहनों के गति मापक यंत्रों का अभाव है या फिर उनका संचालन ठीक तरह से नहीं हो पा रहा है? दरअसल, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर एक ट्रक की टक्कर से पिकअप वाहन में सवार व्यक्ति घायल हो गया था। इस दौरान वहां से गुजर रहे कुछ लोग घायल व्यक्ति की मदद के लिए आगे आए और उसे क्षतिग्रस्त वाहन से बाहर निकालने का प्रयास करने लगे। इस बीच सामने से आए एक अन्य तेज रफ्तार ट्रक ने तीन लोगों को टक्कर मार दी। कहा जा रहा है कि इस हादसे में जख्मी लोगों को अस्पताल ले जाने के लिए तत्काल कोई मदद नहीं मिल पाई। ऐसे में राजमार्गों पर कोई हादसा होने पर तुरंत सहायता पहुंचाने के सरकारी तंत्र पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। दूसरा, इस बात पर भी गंभीरता से गौर करने की जरूरत है कि आखिर वाहनों की तेज रफ्तार पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? जाहिर है अगर कुछ वाहन चालकों को यातायात नियमों की परवाह नहीं है और न ही उन्हें कानून का खौफ है, तो इसकी मूल वजह का पता लगाए बिना समस्या का समाधान संभव नहीं हो सकता है।

वैलेंटाइन : प्रेम का पर्व या बाजार का उत्सव?

वैलेंटाइन डे का नाम लेते ही आज मन में गुलाब, चॉकलेट, टेडी और महंगे गिफ्ट्स की चमकदार तस्वीर उभर आती है। प्यार जैसे पवित्र भाव को हमने धीरे-धीरे बाजार की सजावटी वस्तु बना दिया है। ऐसा प्रतीत होता है मानो बिना तोहफों के प्रेम अधूरा और बेकार है। लेकिन क्या सच में प्यार की पहचान इन दिखावटी चीजों से होती है? बिल्कुल नहीं। प्यार की असली भाषा त्याग, समर्पण और एक-दूसरे के लिए खुद को पीछे रखना है। जब कोई व्यक्ति अपनी खुशी छोड़कर प्रियजन की मुस्कान में अपना सुख खोजता है, वही सच्चा प्रेम कहलाता है। दुर्भाग्य से आज का आधुनिक वैलेंटाइन इस पवित्र भावना को लगभग भुला चुका है।

पारंपरिक प्रेम की जड़ें त्याग और समर्पण में गहराई से जुड़ी हुई थीं। राम-सीता, राधा-कृष्ण, हीर-रांझा और लैला-मजनूं जैसी प्रेम कथाएं हमें सिखाती हैं कि प्रेम में त्याग सर्वोच्च मूल्य था। प्रेमियों ने समाज, परिवार और यहां तक कि अपने जीवन तक का बलिदान दिया। वैलेंटाइन डे की शुरुआत भी संत वैलेंटाइन के महान त्याग से हुई, जिन्होंने प्रेम की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उस समय प्यार कोई व्यापार नहीं था, बल्कि आत्माओं का पवित्र रिश्ता था। आज के दौर में यह भावना कमजोर होती जा रही है। त्याग की जगह अब दिखावे और स्वार्थ ने ले ली है।

मॉडर्न लव की दुनिया में सोशल मीडिया ने प्यार को एक मंच बना दिया है। इंस्टाग्राम और फेसबुक पर महंगे डिनर, लग्जरी ट्रिप और कीमती गिफ्ट्स की तस्वीरें आज प्रेम का प्रमाण मानी जाती हैं। लोग अब कम महसूस करते हैं और ज्यादा दिखाते हैं। पारंपरिक प्रेम में त्याग चुपचाप होता था, बिना किसी प्रचार और प्रदर्शन के। मां का बच्चे के लिए रातभर जागना, पिता का अपनी इच्छाओं को दबाना —ये निःस्वार्थ प्रेम के सच्चे उदाहरण थे। लेकिन आज का वैलेंटाइन इन मूल्यों को लगभग भूल चुका है। पूंजीवाद ने प्यार को व्यापार में बदल दिया है, जहां भावनाएं भी बिकाऊ वस्तु बन गई हैं। दार्शनिक दृष्टि से प्रेम आत्माओं का मिलन है, न कि वस्तुओं का लेन-देन। प्लेटो और अरस्तू जैसे महान दार्शनिकों ने प्रेम को आत्मिक विकास और चरित्र निर्माण का माध्यम माना। पारंपरिक प्रेम इसी विचारधारा पर आधारित था, जहां प्रेम इंसान को बेहतर बनाता था। लेकिन आधुनिक समाज में व्यक्तिवाद तेजी से बढ़ा है। लोग अपने सुख और सुविधा को प्राथमिकता देने लगे हैं। गिफ्ट्स केवल क्षणिक आत्म-संतोष देते हैं, जबकि त्याग स्थायी आत्म-परिवर्तन लाता है। डेटिंग ऐप्स की संस्कृति ने रिश्तों को अस्थायी और सतही बना दिया है। आज प्यार एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक विकल्प बनकर रह गया है।

भारतीय संस्कृति में त्याग को सदैव पवित्र और श्रेष्ठ माना गया है। सावित्री, सती-सावित्री, मीरा और सीता जैसे आदर्श चरित्र हमें प्रेम में समर्पण और निष्ठा का सही अर्थ समझाते हैं। यहां प्यार केवल एक भावना नहीं, बल्कि साधना और तपस्या था। लेकिन वैश्वीकरण के प्रभाव से वैलेंटाइन पश्चिमी संस्कृति के साथ भारतीय समाज में प्रवेश कर गया। धीरे-धीरे युवा वर्ग ने इसे अपनाया, पर उसके साथ उपभोगवाद भी फैलता गया। गिफ्ट्स प्रेम का मापदंड बन गए। रिश्ते तेजी से बनते हैं और उतनी ही जल्दी टूट भी जाते हैं। स्थिरता की जगह अब अस्थिरता ने ले ली है। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से त्याग विश्वास, सुरक्षा और अपनापन पैदा करता है। एरिक फ्रॉम के अनुसार, प्रेम देना सीखना ही सच्चा प्रेम है। पारंपरिक प्रेम इसी सिद्धांत पर आधारित था। त्याग से विश्वास मजबूत होता था और रिश्ते गहराते थे। लेकिन महंगे उपहार केवल क्षणिक खुशी देते हैं। वे डोपामाइन बढ़ाते हैं, पर स्थायी संतोष नहीं दे पाते। जैसे ही उपहार कम होते हैं, रिश्तों में दूरी आने लगती है। कई युवा वैलेंटाइन पर अपेक्षाएं पूरी न होने पर निराश हो जाते हैं, जिससे मानसिक तनाव और अकेलापन बढ़ता है। साहित्य और सिनेमा भी हमें त्याग का महत्व बार-बार समझाते हैं। फिल्म 'टाइटैनिक' में जैक का बलिदान आज भी दर्शकों की आंखें नम कर देता है, इसलिए वह प्रेम अमर बन गया। इसके विपरीत, फूल और चॉकलेट कुछ ही दिनों में मुरझा जाते हैं। वे गहरी यादें नहीं बनाते, केवल क्षणिक सुख देते हैं। पारंपरिक प्रेम में त्याग जीवनभर की कहानी बन जाता था। आज मार्केटिंग ने प्यार को एक इंस्टेंट प्रोडक्ट बना दिया है। कंपनियां मुनाफा कमाती हैं, लेकिन रिश्ते दिन-ब-दिन खोखले होते जा रहे हैं। प्यार की असली भाषा त्याग है, गिफ्ट नहीं। वैलेंटाइन डे ने इस सच्चाई को धीरे-धीरे भुला दिया है, क्योंकि उपभोगवाद ने प्रेम को आकर्षक पैकेज में बदल दिया है। पारंपरिक प्रेम में त्याग से रिश्ते मजबूत और स्थायी होते थे, जबकि आधुनिक प्रेम में दिखावे से वे कमजोर और अस्थिर होते जा रहे हैं। हमें फिर से छोटे-छोटे त्यागों को अपनाना होगा — समय देना, समझना, साथ निभाना और सम्मान करना। वैलेंटाइन जरूर मनाएं, लेकिन दिल और भावना से। जब प्रेम में त्याग वापस लौटेगा, तभी वह सच्चा, गहरा और अमर बन सकेगा।

कृति आरके जैन
बड़वानी (मप्र)

संविधान और लोकतंत्र: खतरा या भ्रम?

हाल के वर्षों में भारतीय राजनीति और सार्वजनिक विमर्श में एक वाक्य बार-बार दोहराया जा रहा है 'संविधान और लोकतंत्र खतरे में हैं'। विपक्षी दलों द्वारा इसे सरकार पर प्रहार का सबसे प्रभावी औज़ार बनाया गया है। किंतु लोकतंत्र में किसी भी आरोप का मूल्यांकन उसकी आवृत्ति से नहीं, बल्कि तथ्यों और संवैधानिक यथार्थ से किया जाता है। इसलिए यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या यह खतरा वास्तविक है या केवल एक राजनीतिक भ्रम? यह सत्य है कि भारतीय संविधान विश्व के सबसे विस्तृत, सुदृढ़ और संतुलित संविधानों में से एक माना जाता है। यह केवल शासन चलाने का दस्तावेज़ नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रणाली है, जो विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच संतुलन स्थापित करती है। पिछले 75 वर्षों में भारत ने युद्ध, आंतरिक अशांति, आर्थिक संकट, आतंकवाद, सामाजिक आंदोलनों, सत्ता परिवर्तन और यहाँ तक कि आपातकाल जैसे कठिन दौर भी देखे हैं। इसके बावजूद संविधान की मूल आत्मा और लोकतांत्रिक ढाँचा सुरक्षित बना रहा। यह तथ्य स्वयं इस कथन को कमजोर करता है कि भारतीय लोकतंत्र किसी गंभीर संकट में है। यदि वास्तव में संविधान और लोकतंत्र खतरे में होते, तो इसके स्पष्ट संकेत दिखाई देते, जैसे समय पर चुनाव कराने से बचा जाता,स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव बाधित होते, सत्ता हस्तांतरण शांति पूर्ण न होता,न्यायपालिका सरकार के विरुद्ध निर्णय देने में असमर्थ होती, संसद में विपक्ष को अपनी बात रखने नहीं दी जाती, विपक्ष को संसद और संसद के बाहर सरकार की आलोचना करने, रैली निकालने, धरना प्रदर्शन से रोका जाता, मीडिया पर पूर्ण नियंत्रण होता, टीवी चैनलों में बहस करते समय सरकार और संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों की आलोचना करना आसान न होता और नागरिकों की अभिव्यक्ति व आंदोलन की स्वतंत्रता सीमित हो जाती। किंतु भारत का वर्तमान यथार्थ इससे भिन्न है। यहाँ चुनाव नियमित रूप से हो रहे हैं, न्यायपालिका सक्रिय रूप से संवैधानिक समीक्षा कर रही है, मीडिया सरकार की समय-समय खुली आलोचना करता है और नागरिक और राजनीतिक दल अपनी असहमति सड़कों से लेकर न्यायालय तक व्यक्त कर रहे हैं। ये सभी तथ्य लोकतंत्र की सक्रियता को प्रमाणित करते हैं। यह भी सत्य है कि लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव स्वाभाविक है। विपक्ष का दायित्व है कि वह सरकार से प्रश्न पूछे, नीतियों की आलोचना करे और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए सजग रहे। किंतु जब हर निर्णय और हर प्रशासनिक कदम को बिना ठोस संवैधानिक आधार के 'लोकतंत्र पर हमला' कह दिया जाता है, तब यह स्वस्थ आलोचना नहीं, बल्कि राजनीतिक अतिशयोक्ति बन जाती है। वास्तविक खतरा लोकतंत्र को तब उत्पन्न होता है, जब संवैधानिक संस्थाओं जैसे संसद, न्यायपालिका, चुनाव आयोग और मीडिया पर जनता का विश्वास जानबूझकर कमजोर किया जाए। निरंतर संकट का नैरेटिव नागरिकों में भय और अविश्वास पैदा करता है। लोकतंत्र भय या भ्रम से नहीं, बल्कि संविधान सम्मत आचरण, संवाद, असहमति और उत्तरदायित्व से चलता है। भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में लोकतंत्र का टिके रहना उसकी आंतरिक शक्ति का प्रमाण है। आपातकाल जैसे अनुभव के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का पुनर्स्थापन यह दर्शाता है कि भारतीय लोकतंत्र आत्म-सुधार की क्षमता रखता है।

लेखक:प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश,स्वतंत्र पत्रकार

आंचलिक

उपभोक्ता फोरम ने ठोका 11 लाख का हर्जाना, झोलाछाप डॉक्टर के गलत इलाज से हुई थी युवक की मौत

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ●जिला उपभोक्ता प्रतितोषण फोरम, मंडलेश्वर ने एक अहम फैसले में दोषपूर्ण चिकित्सा सेवा को मौत का कारण मानते हुए पीड़ित किसान को करीब 11 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह मामला 3 दिसंबर 2014 का है, जब कसरावद तहसील के नादला गांव निवासी जितेंद्र सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

सिंह ने गलत इलाज का आरोप लगाते हुए उपभोक्ता फोरम में मामला दायर किया।

बिना जांच चढ़ाई गई बोतल

परिवार के अनुसार, जितेंद्र को हाथ-पैर में तेज दर्द था। परिजन उसे पास के सिनगुन गांव स्थित गुप्ता क्लीनिक ले गए। वहां क्लीनिक संचालक निर्मल गुप्ता ने 600 रुपये लेकर बिना जरूरी जांच के एनएस की बोतल चढ़ा दी। बताया गया कि बोतल में पालीबियोन, एसीलार और डेक्सोना नाम के तीन इंजेक्शन भी मिलाए गए थे। बोतल चढ़ने के तुरंत बाद जितेंद्र को घबराहट और बेचैनी होने लगी। जब उन्होंने बोतल हटाने को कहा तो कथित रूप से कंपाउंडर ने कहा कि 'डॉक्टर मैं हूं।' कुछ ही देर में जितेंद्र की मौत हो गई। इसके बाद पिता निहाल

फोरम का फैसला ब्याज सहित हर्जाना दे

फोरम के अध्यक्ष विकास राय और सदस्य तृप्ति शास्त्री की पीठ ने मामले की सुनवाई के बाद इसे दोषपूर्ण चिकित्सा सेवा माना। फोरम ने पीड़ित पिता को 7 लाख रुपये मुआवजा और 6 प्रतिशत ब्याज सहित कुल लगभग 11 लाख रुपये देने का आदेश दिया है। साथ ही, इस मामले की रिपोर्ट संचालनालय आयुष, भोपाल को भी भेजी गई है ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके।

गायों की मौत पर कलेक्टर सख्त, धरमपुरी गौशाला में मिलीं खामियां, इंजीनियर और वेटनरी अफसरों को नोटिस

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ●कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने गुरुवार को ग्राम धरमपुरी स्थित गौशाला का औचक निरीक्षण किया। यहां भूख-प्यास से करीब आधा दर्जन गायों की मौत का मामला सामने आया था। निरीक्षण में गौशाला का फर्श टूटा हुआ और पानी की टंकी लीक मिली। वहीं, चरनोई की जमीन पर चारे की जगह गेहूं की फसल खड़ी देख कलेक्टर ने नाराजगी जताई। उन्होंने निर्माण एजेंसी के इंजीनियरों और निरीक्षण न करने वाले पशु चिकित्सा अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। गौशाला संचालक ने कलेक्टर को बताया कि पिछले साल जून में गौशाला हैंडओवर हुई थी, तब से ही फर्श की स्थिति खराब है। पशुओं के लिए बनाई गई हौद (पानी की टंकी) से पानी लगातार लीक हो रहा है, जिससे उसमें पानी नहीं रुक पाता। कलेक्टर ने निर्माण एजेंसी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री को निर्माण कार्य की विस्तृत जांच कराने को कहा। साथ ही संबंधित उपयंत्री और सहायक यंत्री को शोकॉज नोटिस जारी करने के आदेश दिए।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि गौशाला के लिए आवंटित चरनोई भूमि पर पशुओं के चारे की बजाय गेहूं बोया गया है। इस पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि भविष्य में यहां गेहूं या सोयाबीन जैसी फसलें न लगाकर नेपियर घास या अन्य चारा फसलें ही लगाई जाएं। कलेक्टर ने पाया कि धरमपुरी क्षेत्र के सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी और विकासखंड पशु चिकित्सा अधिकारी ने गौशाला का निरीक्षण और रिपोर्टिंग नहीं की थी। इस लापरवाही पर उनके विरुद्ध भी कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने उप संचालक पशु चिकित्सा डॉ. हेमंत शाह को निर्देशित किया कि वे नियमित निरीक्षण कराएं और कमियों को समय पर दूर करवाएं। मौके पर एसडीएम ऋषि कुमार सिंघई भी मौजूद थे।

12वां पाटोत्सव शुरू, नर्मदा में खेली फूलों की होली, ठाकुरजी ने जलक्रीड़ा की

दैनिक इंदौर संकेत

मंडलेश्वर ● ग्राम चोली में स्थित श्रीराधा विनोद बिहार मंदिर के 12वें पाटोत्सव की शुरुआत नर्मदा तट से हुई। नर्मदा के तट पर वर्षों बाद हुए रासलीला के दौरान नर्मदा जल में यमुना का आनंद लेते हुए भगवान ने फूलों से होली खेली। यह अनोखा दृश्य तट पर बैठे रसिकों के मन को मोह गया। स्वर्गीय स्वामी श्रीराम शर्मा की रास मंडली ने रासलीला की मनोहारी प्रस्तुति दी। मल्लाह बने कन्हैया संग राधा-सखियों ने फूलों की होली खेली। संतों की मौजूदगी में ठाकुरजी ने जल क्रीड़ा की। इस दौरान नर्मदा का तट जयकारों से गूंज उठे।

मुशायरे में हुए बवाल के मामले में पार्षदों ने की एफआईआर की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● परंपरागत नवग्रह मेले के अंतर्गत नगर पालिका द्वारा जमजम मार्केट में आयोजित ऑल इंडिया मुशायरा एवं कवि सम्मेलन में हुए विवाद का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान कथित रूप से मारपीट, अपशब्द और एक कवि पर अंडा फेंके जाने की घटना को लेकर पार्षदों में गुस्सा है। भाजपा, कांग्रेस, निर्दलीय एवं विभिन्न दलों के पार्षदों और नवग्रह मेला समिति के सदस्यों ने डीजीपी भोपाल, आईजी इंदौर, डीआईजी, एसपी के नाम कोतवाली थाने पर आवेदन देकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। पार्षदों की ओर से दिए आवेदन में बताया कि 7 फरवरी की रात आयोजित कार्यक्रम शांतिपूर्ण रूप से चल रहा था। देर रात कुछ लोग समूह के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और मंच पर मौजूद शायरों के साथ विवाद करने लगे। पार्षद वल्लभदास महाजन, वारिस चौबे, पूजा जितेंद्र चोपड़ा, धीरेंद्र चौहान, शबनम आदि के हस्ताक्षर वाले आवेदन में बताया गया कि इस दौरान कथित रूप से मारपीट, अभद्र भाषा का प्रयोग और पथराव हुआ, जिससे अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।

प्रदेश की मंडियों में गिरे सोयाबीन के दाम, प्रति क्विंटल एक हजार से ज्यादा का फर्क

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● मध्यप्रदेश की कृषि उपज मंडियों में सोयाबीन के दाम अचानक और तेजी से गिरे हैं। एक हफ्ते के भीतर ही प्रति क्विंटल सोयाबीन के दामों में एक हजार रूपए से ज्यादा का फर्क देखने को मिला है। सोयाबीन के साथ ही मक्का और कपास के भाव में भी गिरावट आई हैं। इस सीजन में दाम बढ़ने की बजाय कम होना किसानों के लिए चिंता का विषय बन गया है। व्यापारियों ने इसके पीछे भारत-अमेरिका ट्रेड डील को जिम्मेदार बताया हैं। हालिया मंडी दामों पर गौर करें तो खंडवा की जिला कृषि उपज मंडी में 5 फरवरी को सोयाबीन के दाम 5650 रूपए प्रति क्विंटल था। जो कि एक दिन पहले बुधवार को 4500 रूपए पर आकर गिर गए हैं। यानी छठवें दिन ही सीधा-सीधा 1150 रूपए प्रति क्विंटल का फर्क आ गया। यह उन किसानों के लिए आफत हो गई, जिन्होंने उपज का स्टॉक करके रखा था। किसानों की मानें तो इस समय सोयाबीन के दाम बढ़ते क्रम में होते है, क्योंकि मंडियों में आवक कम रहती हैं। सीजन के दौरान आवक ज्यादा होने पर भाव गिरते है। लेकिन यह तो उलट हो गया है। सोयाबीन उपज का समर्थन मूल्य केंद्र सरकार ने 5328 रूपए प्रति क्विंटल निर्धारित करके रखा हैं। वहीं मध्यप्रदेश में समर्थन मूल्य से कम दाम मिलने पर प्रदेश सरकार ने भावांतर स्कीम लांच की थी।

इस स्कीम के तहत समर्थन मूल्य और मंडी भाव के अंतर की राशि किसानों को उनके खातों में ट्रांसफर की गई। सरकार ने यह स्कीम जनवरी महीने तक चलाई। इसके बाद किसानों को मंडियों में समर्थन मूल्य से ज्यादा भाव मिलने लग गए। ताजा 5 फरवरी की बात करें तो सोयाबीन 5650 रूपए प्रति क्विंटल के दाम में बिकी थी। 6 दिन बाद वहीं भाव 1150 रूपए गिरकर 4500 रूपए पर आ गए। यानी फिलहाल स्थिति में समर्थन मूल्य के लिहाज से बात करें तो मंडी भाव 800 रूपए तक कम हैं।

विंडीज के खिलाफ हम ज्यादा सतर्क थे

मुंबई (एजेंसी) ● इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने माना कि उनकी टीम टी 20 वर्ल्ड कप ग्रुप सी के मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ 30 रन से हार गई, लेकिन लक्ष्य का पीछा करते समय ज्यादा सावधान थी। 197 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए, इंग्लैंड की टीम तेज शुरुआत के बावजूद 19 ओवर में 166 रन पर आउट हो गई, जिसमें सैम करेन ने सबसे ज्यादा 43 रन बनाए। ब्रूक ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, एक बात मैं कहूंगा कि हम शायद थोड़े सावधान थे। लगभग 200 रन का पीछा करना हमेशा एक बड़ी चुनौती होती है और हमने सोचा था कि पिच थोड़ी बेहतर होगी और बल्ले पर थोड़ी और स्लाइड करेगी, और ऐसा नहीं हुआ। ब्रूक ने माना कि इंग्लैंड गेंद से अपना बेस्ट नहीं दे रहा था और उसने वेस्टइंडीज को थोड़ा बेहतर स्कोर बनाने दिया। उन्होंने आगे कहा, शायद हमने उतना अच्छा नहीं खेला, जितना हम आमतौर पर करते हैं। शायद उन्हें 15 या 20 रन ज्यादा मिल गए। हमने ओस के लिए प्लान बनाया था, और ओस उतनी नहीं पड़ी जितनी हमने सोची थी, और गेंद बल्ले पर उतनी नहीं आई जितनी हम उम्मीद कर रहे थे। इंग्लैंड ने 3.2 ओवर में 38 रन बना लिए, जिसमें फिल साल्ट ने 30 रन बनाये। हालांकि, वेस्ट इंडीज़ के स्पिनर रोस्टन चेज़, गुडाकेश मोती और अकील होसेन ने पावरप्ले के बाद ब्रेक लगा दिए। इन तीनों ने आखिरी नौ में से छह विकेट लिए, जिससे इंग्लैंड 12.3 ओवर में 92 रन पर ये विकेट खोकर टारगेट से चूक गया। ब्रूक ने कहा, टी-20 क्रिकेट बहुत ही चंचल खेल है और वेस्ट इंडीज बहुत ही मज़बूत टीम है। इस नतीजे के बाद इंग्लैंड ग्रुप सी की स्टैंड्इक्षडग में वेस्ट इंडीज और स्कॉटलैंड के बाद तीसरे स्थान पर है।

भारत के खिलाफ मुकाबले को लेकर हमपर कोई दबाव नहीं : फरहान

कोलंबो (एजेंसी) ●पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने कहा है कि 15 फरवरी को भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबले के लिए उनकी टीम तैयार है। फरहान ने कहा है कि इस महामुकाबले को लेकर उनकी टीम पर कोई दबाव नहीं है। पाक ने अपनी ग्रुप स्तर के शुरुआती मुकाबलों में नीदरलैंड और अमेरिका को हराया है। इसमें फरहान ने काफी अच्छी बल्लेबाजी भी की है जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। इसी को देखते हुए फरहान ने कहा कि दबाव भारतीय टीम पर अधिक होगा। इस बल्लेबाज ने कहा, जब आप दो लगातार मैच जीतते हैं, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। आने वाला मैच कोई बड़ी बात नहीं है, हम भारतीय टीम के खिलाफ पहली बार नहीं खेल रहे हैं। पहले भी खेल चुके हैं। इस बार उनके खिलाफ हम अलग प्रकार की रणनीति के साथ खेलेंगे। उन्होंने कहा, आपने हमें पहले कठिन हालातों में और संघर्ष करते हुए देखा है पर अब जबकि शादाब और नवाज रन बना रहे हैं। इसलिए उम्मीद है कि ये मुकाबला रोमांचक होगा और इसका सभी को आनंद आएगा।

भारत और पाकिस्तान के बीच कुछ साल में हुए कई मैच एकतरफा रहे हैं और भारत ने आसानी से जीत हासिल की है। इसको लेकर फरहान ने कहा कि मुझे लगता है कि एशिया कप के दौरान हमारा मैच एकतरफा नहीं था। हम अंत तक खेले और लड़े। उम्मीद है कि इस बार हम और बेहतर खेल दिखाएंगे। फरहान ने कहा, मुझे लगता है कि जब आप रन बनाते हैं तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। पिछली दो पारियों के बाद मेरा मनोबल भी बढ़ा है। भारत के खिलाफ मैच को हम एक आम मैच की तरह लेंगे और इसमें शांत दिमाग के साथ उतरेंगे।फरहान ने नीदरलैंड के खिलाफ पहले मैच में 47 रन जबकि अमेरिका के खिलाफ 73 रन बनाये थे।

बटलर ने सबसे ऊंचा कैच पकड़ने का विश्व रिकार्ड बनाया

मुंबई (एजेंसी) ● इंग्लैंड की टीम के विकेटकीपर जोस बटलर ने भारत में जारी टी20 विश्कप के दौरान सबसे ऊंचा कैच पकड़ने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इससे पहले ये रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया के टिमोथी शैनन जेबेसीलन के नाम दर्ज था। टिमोथी ने सिडनी में 19 नवंबर 2021 को 119.86 मीटर करीब 393 फीट 2.897 इंच ऊंचाई वाला कैच पकड़ा था। बटलर ने ये रिकार्ड इंग्लैंड के ही पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन की देखरेख में बनाया है। बटलर के लिए सबसे ऊंचा कैच पकड़ना आसान नहीं था। उन्होंने करीब 60 मिनट तक इसके लिए तैयारी की थी और अंत में इसे पूरा किया। बटलर ने इसके बाद 122 मीटर ऊपर से ड्रोन से गिराए गए इस कैच को पकड़ा, ये तब लगभग 400 फीट जमीन से ऊपर था। अभी तक किसी ने भी 120 मीटर से ऊपर का कैच नहीं पकड़ा है। बटलर को 60 मिनट इस रिकॉर्ड कैच के लिए मिले थे। 50 मीटर के कैच से उन्होंने शुरुआत की थी। पहले कुछ प्रयासों में तो उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था कि उनके साथ क्या हो रहा है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भूमि की पकड़ और मजबूत की 'दलदल' ने

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री भूमि सतीश पेडनेकर परंपरागत फॉर्मूलों से हटकर अलग और प्रभावशाली कहानियों को चुनने के लिए जानी जाती हैं। उनके द्वारा अभिनीत ज्यादातर फिल्में ग्लैमर और अतिरंजित ड्रामा से दूरी रखते हुए समाज से जुड़े मुद्दों को बड़े पर्दे पर लाने का साहस दिखाती हैं। हाल ही में रिलीज हुई ग्लोबल ओटीटी हिट सीरीज़ 'दलदल' भी इसी सोच का हिस्सा है, जिसने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भूमि की पकड़ और मजबूत कर दी है। अमेज़न प्राइम पर स्ट्रीम हो रही यह साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर अमेरिका, यूके और यूएई सहित कई देशों में ट्रेंड कर रही है और दुनियाभर के दर्शक इसकी तारीफ कर रहे हैं। सीरीज़ की सफलता एक बार फिर यह साबित करती है कि भूमि के लिए माध्यम नहीं, बल्कि कहानी और अभिनय की गुणवत्ता सबसे महत्वपूर्ण है। बड़े पर्दे पर दमदार उपस्थिति दर्ज कराने के बाद उन्होंने ओटीटी दुनिया में भी अपनी जगह उतनी ही मजबूती से बनाई है। भूमि की खासियत यह है कि वह हर बार ऐसे किरदार चुनती हैं, जिनमें जोखिम हो, गहराई हो और भावनात्मक तैयारी की जरूरत भी। जहां कई कलाकार चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं से बचते हैं, वहीं भूमि इन्हें अपने विकास का रास्ता मानती हैं।

'नागबंधम' का टीज़र लॉन्च करेंगे महेश बाबू

मुंबई (एजेंसी) ●साल 2026 की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली पैन-इंडिया फिल्मों में से एक मानी जा रही 'नागबंधम' हर नए अपडेट के साथ अपना बज और बढ़ा रही है। मेकर्स दमदार पोस्टर्स और दिलचस्प किरदारों के खुलासे करके एक्साइटमेंट को लगातार जिंदा रखे हुए हैं, जिससे दर्शकों की उत्सुकता बनी हुई है। अब जब फैंस इसके टीज़र का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, तो यह रोमांचक ऐलान किया गया है कि महेश बाबू महाशिवरात्रि के मौके पर इसका टीज़र लॉन्च करेंगे। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि 'नागबंधम' का टीज़र 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर सुबह 11:11 बजे महेश बाबू द्वारा रिलीज़ किया जाएगा।

उज्जैन संभाग

'अगर लगता है कि नहीं कर पाएंगे तो बता दें', सिंहस्थ के कार्यों की समीक्षा, बोले- सीएम

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को नगर निगम के सभाकक्ष में सिंहस्थ 2028 विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ महापर्व का आयोजन विश्व के लिए अद्वितीय है। सिंहस्थ महापर्व के दौरान करोड़ों श्रद्धालु मोक्षदायिनी शिप्रा में आस्था की डुबकी लगाएंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी अधिकारी को लगता है कि वे काम नहीं कर पा रहे है उसके संबंध में वह अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा दें। जिससे बेहतर काम करने वाले अधिकारियों की पदस्थापना की जा सके।

साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा, संजय दुबे को निर्देश दिए हैं कि सिंहस्थ के कामों में किसी भी तरह की रुकावट न आए। मुख्यमंत्री निवास पर भी सिंहस्थ सेल गठित कर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। जिन विभागों में अधिकारियों की कमी है उनकी पदस्थापना तत्काल की जाए।

बैठक में प्रभारी मंत्री उज्जैन गौतम टेटवाल, महापौर मुकेश टटवाल, विधायक अनिल जैन कालूहेडा, सतीश मालवीय, जितेन्द्र पंड्या, नगर निगम अध्यक्ष कलावती यादव, सिंहस्थ मेला अधिकारी सह संभागायुक्त आशीष सिंह, एडीजी राकेश गुप्ता, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अलग-अलग विभागों के माध्यम से सिंहस्थ 2028 के लिए किए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी लेकर कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैनवासियों से सेवा भाव की तरह कार्य करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ 2028 के लिए अब रिवर्स कैलेंडर बनाकर निर्माण कार्य तेज गति से पूर्ण करें। समय-सीमा में काम गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए। वर्तमान समय माइक्रो मैनेजमेंट से नैनो मैनेजमेंट की ओर जाने का है। युद्ध स्तर की तैयारियां शुरु करना है। सभी अधिकारी 24 घंटे, सातों दिन सक्रिय रहें। सिंहस्थ 2028 को बेहतर प्रबंधन के साथ करने के लिए उज्जैन जिले के सभी नागरिकों को जिम्मेदारी के भाव के साथ काम करने के लिए प्रेरित करें और उनको यह लगना चाहिए कि यह हमारा व्यक्तिगत काम है। इसके लिए सभी नागरिकों में जिम्मेदारी के साथ समर्पण का भाव भी पैदा करने के लिए समन्वय बनाकर कार्य करें। सिंहस्थ मेले की बाहर की व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद बनाने के लिए जरूरी है कि उसकी समस्त जगहों की मैपिंग की जाए। उज्जैन सिंहस्थ 2028 की तैयारी में बेहतर प्रबंधन के लिए उज्जैन में महाशिवरात्रि, श्रावण, नागपंचमी एवं अन्य त्योहारों पर व्यवस्थाओं को प्रायोगिक रूप से बनाए और उसके अनुभवों का लाभ लेते हुए सिंहस्थ 2028 के भीड प्रबंधन कार्य योजना बने। शहर से जुड़ने वाले दूसरे जिलों के वैकल्पिक मार्गों का चयन कर लें और इन मार्गों को गुगल मैपिंग के साथ उन?नयन भी कराया जाए जिससे भीड़ प्रबंधन में इन मार्गों का उपयोग हो सके शहर के महाकाल मंदिर पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का भी चयन करें जिससे भीड़ प्रबंधन आसानी से हो सके।श्री मंगलनाथ, श्री भूखीमाता रामघाट के आसपास घाटों को जोड़ने वाले मार्गों को चिन्हित कर उन्नयन करें।

सिंहस्थ मेला क्षेत्र के बाहर सामाजिक सामुदायिक भवन, स्कूल, कॉलेज धर्मशाला बनाने वाली संस्थाओं को प्रोत्साहित करें। सिंहस्थ 2028 के लिए काम कर रही निर्माण एजेंसी जो समय पर काम पूरा करें उनको प्रोत्साहन स्वरूप व्यवस्था भी बना कर दें।

डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस चलेगी, महाशिवरात्रि के लिए आई डेमो बस, दो दिन तक फ्री यात्रा कर सकेंगे श्रद्धालु

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं को पहली बार उज्जैन में डबल डेकर बस में फ्री यात्रा करने को मिलेगा। चेन्नई से एक बस डेमो के रूप में उज्जैन बुलाई गई है। जिसे महाकाल मंदिर तक चलाया जाएगा। इस बस को देश की पहली इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस बताया जा रहा है। बस में सेफ्टी के सारे फीचर मौजूद हैं। बताया जा रहा है कि इस तरह की बस जल्द ही भोपाल इंदौर और उज्जैन में चलाई जा सकती है। 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व पर 10 लाख से अधिक उज्जैन पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के सुलभ दर्शन के लिए एक डबल डेकर बस चेन्नई प्लांट से मंगवाई गई है। जिसे श्रद्धालुओं के लिए दो दिन तक नि:शुल्क चलाया जाएगा। उज्जैन शहर में सफर करने वाले यात्री डबल डेकर बस का मजा बिलकुल फ्री ले सकेंगे। प्रशासन ने अभी तक ये तय नहीं किया है कि बस कहां से चलेगी। बस को चेन्नई से लेकर उज्जैन आए ड्राइवर राघवेंद्र ने बस के बारे में बताया कि ये देश की पहली इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस है जो पूरी तरह ऑटोमेटिक है। उज्जैन में इसको मंगवाया गया था, इसलिए इसे अभी सिर्फ डेमो के रूप में लाए है। दो दिन यही रहेगी।

इस हाईटेक विशेष सुविधा वाली बस के बारे में प्रशासन तय करेगा कि ये कहां से कहां तक चलेगी, लेकिन बस के बारे राघवेंद्र बताया कि देश की पहली डबल देकर इलेक्ट्रिक बस पूरी तरह भारत में बनी है। नीचे 30 और ऊपर 35 व्यक्ति के सतह 30 लोग खड़े होकर भी यात्रा कर सकते हैं। इसमें ऑटोमेटिक, कैमरे लगे हैं। एसी, गेट ऑटोमेटिक बंद और चालू होते हैं। बस में सेफ्टी के सारे फीचर हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा तो इंदौर भोपाल और उज्जैन में इस तरह की बस चलाई जा सकती है।

क्षत्रिय मराठा समाज ने निकाली रैली, छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती पर शासकीय अवकाश की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●क्षत्रिय मराठा समाज ने 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती पर शासकीय अवकाश घोषित करने की मांग की है। इस संबंध में समाज ने एक रैली निकाली और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। यह रैली फ्रीगंज स्थित घंटाघर टावर से शुरू हुई और शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कोठी पैलेस स्थित संकुल भवन पहुंची। यहां समाजजनों ने कलेक्टर के प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा। रैली के दौरान समाज के सदस्य छत्रपति शिवाजी महाराज के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे और 19 फरवरी को शासकीय अवकाश घोषित करने की मांग कर रहे थे। समाज अध्यक्ष अनिल धर्मे ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का देश के इतिहास में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने स्वराज्य की स्थापना की और अन्याय, अत्याचार तथा विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष का मार्ग प्रशस्त किया। धर्मे ने बताया कि उनका जीवन साहस, सुशासन, धर्मनिरपेक्षता और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिवाजी महाराज की जयंती केवल किसी एक समाज का पर्व नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज का गौरव दिवस है। ज्ञापन में कहा गया है कि जयंती को शासकीय अवकाश घोषित करने से नई पीढ़ी को शिवाजी महाराज के गौरवशाली इतिहास, बलिदान और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान से परिचित होने का अवसर मिलेगा। इससे देशभक्ति, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना को सशक्त किया जा सकेगा। कलेक्टर के प्रतिनिधि ने समाजजनों से ज्ञापन स्वीकार करते हुए उसे मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। इस कार्यक्रम में ज्ञापन का वाचन सचिव अनिल गावड़े ने किया, जबकि उपाध्यक्ष मुकेश शिंदे ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजन और पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

कंठाल चौराहा से छत्री चौक तक चौड़ीकरण का कार्य शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ को देखते हुए अब एक और नए मार्ग का चौड़ीकरण शुरू होने जा रहा है। गुरुवार को नगर निगम की टीम ने कोयला फाटक से छत्री चौक मार्ग चौड़ीकरण के अंतर्गत कंठाल से गणेश मंदिर तक 12 भवन स्वामियों को नोटिस थमाए दिए। अब जल्द ही चौड़ीकरण का कार्य शुरू होगा। कोयला फाटक, कंठाल चौराहा से लेकर छत्री चौक मार्ग चौड़ीकरण कार्य के तहत जोन क्रमांक 02 द्वारा फेस 01 अंतर्गत कंठाल चौराहे से लेकर गणेश मंदिर तक 12 प्रभावित भवन स्वामियों को नोटिस देने की कार्रवाई की गई। कोयला फाटक से कंठाल चौराहा एवं छत्री चौक मार्ग चौड़ीकरण के अंतर्गत 15 मीटर मार्ग चौड़ीकरण किया जाना है। जिससे भीड़भाड़ की वजह से ट्रैफिक स्थिति से राहत मिलेगी। इसी क्रम में कंठाल चौराहे से गणेश मंदिर तक के 12 भवनों की नपती का कार्य निगम के कार्यपालन यंत्री पीयूष भार्गव, भवन अधिकारी राकेश वास्कले, उपयंत्री नरेश जैन द्वारा करते हुए नोटिस जारी किए गए । नगर निगम द्वारा वीडी क्लॉथ मार्केट से होते हुए तेलीवाड़ा तक चौड़ीकरण का कार्य भी तेज गति से चल रहा है। जिसमें 300 मीटर से अधिक लंबे इस मार्ग पर नगर निगम द्वारा 250 मीटर से अधिक मार्ग पर चौड़ीकरण का कार्य करते हुए रोड निर्माण कार्य किया जाना है। वर्तमान में डीएलसी का कार्य पूर्ण हो चुका है शेष बचे हिस्से पर भी समतलीकरण करते हुए रोड निर्माण कार्य पूर्ण किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

पॉस्को एक्ट में भी आरोपी रह चुका है वेदांत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के अन्नपूर्णा थाना में भी वेदांत तिवारी पर पॉस्को एक्ट जैसी गंभीर धाराओं में कार्रवाई हो चुकी है। उस पर एक लड़की ने गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद भी उसे मंडल में उपाध्यक्ष का पद दिया गया। राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते उसने पीड़ित युवकों पर क्रॉस एफआईआर भी लिखा दी। राऊ थाना इलाके में रविवार अलसुबह वेदांत पुत्र राजेश तिवारी निवासी सुदामा नगर ई सेक्टर और उसके दो साथियों पर दो युवक प्रखर और नयन पर अपने साथियों के साथ मिलकर हमला कर दिया था। बाद में वेदांत ने दोनों पर भी आरोप लगाए थे। प्रखर और उसके परिवार ने आरोप लगाया कि वेदांत आदतन अपराधी है। उस पर जाति सूचक शब्द,पॉस्को एक्ट सहित अन्य गंभीर धाराओ में एफआईआर हो चुकी है। इस दौरान भी वेंदात राजनैतिक हस्तक्षेप से बच गया था। वेदांत के साथ इस अपराध में उसके दो दोस्त अनुराग और दिवांशु भी थे।

विभागीय जांच में शिकायतकर्ता को अंतिम अवसर, 25 फरवरी को उपस्थित होने के निर्देश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा पराग जैन, राप्रसे, तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी मल्हारगंज, जिला इन्दौर, वर्तमान में जिला नीमच के संबंध में प्रचलित विभागीय जांच प्रकरण में शिकायतकर्ता ग्राम छोटा बांगड़दा निवासी गणेश प्रसाद शुक्ला को साक्ष्य हेतु उपस्थित होने के निर्देश जारी किये गये हैं। जारी सूचना के अनुसार शिकायतकर्ता को पूर्व में कई बार सूचना-पत्र प्रेषित किये जाने के बावजूद अब तक उपस्थित नहीं होने के कारण अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। निर्देशानुसार शुक्ला को 25 फरवरी को प्रात: 11:30 बजे जांच अधिकारी के समक्ष आयुक्त कार्यालय, इन्दौर संभाग, मोती बंगला परिसर (गांधी हाल), इन्दौर में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य प्रस्तुत करना होगा।

भोपाल से इंदौर-उज्जैन जाने वाले हो जाएं सावधान कुबेरेश्वर धाम में मिल सकता है महाजाम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कुबेरेश्वर धाम सीहोर में 14-20 फरवरी तक रुद्राक्ष महोत्सव होगा। 15 फरवरी की महाशिवरात्रि हेतु हाईवे पर 21 फरवरी तक ट्रैफिक डायवर्ट रहेगा। यहां पढ़ें पूरा रूट। मध्यप्रदेश के सीहोर में महादेव की भक्ति की लहर चल रही है। यहां सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। इसमें पंडित प्रदीप मिश्रा शिव महापुराण कथा करेंगे। ये कथा 14 से 20 फरवरी तक चलेगी। देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के यहां पहुंचने की संभावना है।

इसे देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात के कड़े प्रबंध किए हैं। यातायात व्यवस्था सुचारू रहे, इसके लिए रास्तों में बड़े बदलाव किए गए हैं। 12 फरवरी से 21 फरवरी तक यहां ट्रैफिक

डायवर्जन रहेगा। सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में 14 से 20 फरवरी तक भव्य रुद्राक्ष महोत्सव मनाया जाएगा। पंडित प्रदीप मिश्रा के सानिध्य में इस बार ग्रीन शिवरात्रि का संकल्प लिया गया है। इसके तहत एक करोड़ पौधे रोपने का बड़ा लक्ष्य है। 10 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के लिए 1.80 लाख स्क्वायर फीट का विशाल डोम और 10 एकड़ में निशुल्क भोजनशाला तैयार की गई है। सुरक्षा के लिए 256 हाई-टेक कैमरे और भारी पुलिस बल तैनात रहेगा। रेलवे ने भी भक्तों के लिए विशेष ट्रेनें और अतिरिक्त काउंटर शुरू किए हैं। यहां मात्र 5 रुपए में पीने का पानी और पुख्ता स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। महाशिवरात्रि महोत्सव 2026 - तिथि, समय, अनुष्ठान और महत्व - ओम स्पिरिचुअल शॉप

सीधे धाम जाने वाले: जो भक्त अपनी निजी गाड़ियों से केवल कुबेरेश्वर धाम आना चाहते हैं, उनके लिए मेन हाईवे खुला रहेगा। वे बिना किसी डायवर्जन के सीधे कथा स्थल तक पहुंच सकेंगे। यहां उनके लिए विशाल पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

- ***भारी वाहनों के लिए नया मार्ग:*** *एमपी रुद्राक्ष महोत्सव और महाशिवरात्रि की भीड़ को देखते हुए, प्रशासन ने भारी वाहनों के लिए हाईवे पर पूरी तरह मार्ग बदल दिया है।*
- ***भोपाल से इंदौर की ओर :*** *जो भारी वाहन भोपाल से इंदौर जाना चाहेंगे, उन्हें मुबारकपुर जोड़ से होकर ब्यावरा, राजगढ़ और मक्सी वाले लंबे रास्ते का पालन करना होगा।*
- ***इंदौर से भोपाल की ओर:*** *इसी तरह इंदौर या देवास से आने वाले ट्रक शाजापुर, ब्यावरा और कुरावर होकर ही भोपाल में प्रवेश कर पाएंगे। इस व्यवस्था से कुबेरेश्वर धाम के पास हाईवे पर लगने वाले जाम से बड़ी राहत मिलेगी। इससे कुबेरेश्वर धाम के आसपास मुख्य हाईवे पर दबाव कम हो जाएगा। पुलिस ने डायवर्जन पॉइंट्स पर पर्याप्त रोशनी और पेयजल की व्यवस्था की है। किसी भी आपात स्थिति के लिए क्रेन और मैकेनिक भी तैनात रहेंगे। ये डायवर्सन 12 फरवरी से 21 फरवरी तक रहेगा।*
- ***छोटे वाहनों और श्रद्धालुओं के लिए सुगम यात्रा :*** *भक्तों और आम यात्रियों की सुविधा के लिए प्रशासन ने छोटे वाहनों हेतु कनेक्टिंग रूट्स बनाए हैं।*
- ***डायवर्जन मार्ग:*** *भोपाल से आष्टा या इंदौर जाने वाले छोटे वाहन न्यू क्रिसेंट चौराहा से भाऊखेड़ी जोड़ और अमलाहा होते हुए अपनी मंजिल तक पहुंच सकेंगे।*

आबकारी चालान घोटाले में सहायक आयुक्त संजीव दुबे और उलझे, सरकार ने नया आरोप पत्र थमाया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर आबकारी घोटाले में घिरे सहायक आयुक्त संजीव दुबे की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सरकार ने घोटाले की राशि 41.71 करोड़ से बढ़ाकर 68.80 करोड़ रुपए करते हुए नया आरोप पत्र जारी किया है। मध्यप्रदेश शासन वाणिज्यिक कर विभाग ने दुबे को अब नया (पूरक) आरोप पत्र थमा दिया है। इसमें घोटाले की राशि में बढ़ोतरी की गई है। बता दें कि संजीव दुबे वर्तमान में जबलपुर में पदस्थ हैं।

दुबे को यह मिला नया आरोप पत्र-आबकारी घोटाले को लेकर सहायक आयुक्त आबकारी संजीव दुबे की विभागीय जांच चल रही है। इसके लिए उन्हें पूर्व में भी आरोप पत्र जारी हुआ था। इसमें घोटाले की राशि 41.71 करोड़ रुपए आंकलित की गई थी। वहीं, अब वाणिज्यिक कर विभाग के अपर सचिव राजेश ओगरे ने दुबे को नया पूरक आरोप पत्र जारी किया है। इसमें उन्हें 41.71 करोड़ रुपए की जगह 68.80 करोड़ रुपए घोटाले के लिए आरोपी बताया गया है।

आरोप पत्र में बताया घोर लापरवाह, उदासीन-आरोप पत्र में कहा गया कि यह घोटाला 2015-16 से 2017-18 में उनके इंदौर सहायक आयुक्त आबकारी रहते हुए हुआ था। कूटरचित चालानों के जरिए यह किया गया था। वित्त विभाग के जरिए चालानों की जांच के बाद इस राशि का आंकलन किया गया तो यह राशि 68.80 करोड़ रुपए पाई गई थी। आरोप पत्र में आगे कहा गया कि यह आपके (दुबे) शासकीय काम में बहुत बड़ी लापरवाही, उदासीनता और अकर्तव्यपरायणता का मामला है। यह मप्र सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के बिंदु 3 का उल्लंघन है। इसके चलते मप्र सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व अपील) नियम 1966 के बिंदु 10 के तहत आपको सजा मिल सकती है। अब दुबे को इस नए आरोप पत्र पर भी जवाब देना होगा। पहले 25 और 26 दिसंबर को इस घोटाले की ईडी इंदौर के जरिए की गई जांच का पूरा खुलासा किया था। ईडी ने इस घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत केस रजिस्टर किया है। हालांकि इसमें केवल ठेकेदार और शराब दुकानों में काम करने वालों को ही आरोपी बनाया है। वहीं, जांच रिपोर्ट में साफ है कि इन आरोपियों ने ईडी को अपने बयान में कहा है कि इस हेराफेरी से आने वाली राशि आबकारी विभाग में बांटी जाती थी।

मुख्य आरोपी अंश त्रिवेदी का ईडी को बयान

मुख्य आरोपी अंश त्रिवेदी ने जांच के दौरान ईडी को बताया कि कम राशि का चालान भरकर घोटाले से आई रकम कैश के रूप में आबकारी अधिकारियों के पास ट्रांसफर कर दी जाती थी। यानी चालान घोटाले से बची हुई अतिरिक्त नकदी आबकारी अधिकारियों को दे दी गई थी।

अधिकारियों ने इस तरह इन्हें रखवाया

ठेकेदार अविनाश मंडलोई ने बताया कि संजीव दुबे के कहने पर ही राजू दशवंत को दुकानों का कंट्रोल सौंपा गया था। ठेकेदार राकेश जायसवाल ने कहा कि संजीव दुबे के दबाव में मई 2017 में अपनी जीपीओ दुकान राजू दशवंत को ऑपरेशन के लिए दे दी।

नवीन शिक्षण सत्र में होगी 80 हजार अतिथि शिक्षकों की भर्ती, तैयारियां शुरू

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● प्रदेश में नवीन शिक्षण सत्र शुरू होते ही सरकार अतिथि शिक्षकों की भर्ती करेगी। इसके लिए तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय मंत्रालय में स्कूल शिक्षा विभाग को प्रस्ताव भेज रहा है। विद्यालयों में जितने पद खाली होंगे उतनी पोस्ट की पूर्ति गैस्ट टीचर से की जाएंगी।

प्रदेश में 80 हजार शिक्षकों की जरूरत है। इनकी जगह वर्तमान में 76 हजार अतिथि काम कर रहे हैं। एक सत्र के लिए रखे गये इनका कार्यकाल मार्च में समाप्त हो रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग का कहना है कि अप्रैल में नवीन शिक्षण सत्र की तैयारियां हो रही हैं। इसी के साथ बच्चों को पढ़ाने के लिए पर्याप्त शिक्षक हों। इसकी भी व्यवस्था की जा रही है। अतिथि शिक्षकों को नियुक्त करने के लिए शीघ्र ही समय-सीमा निर्धारित होगी। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय में गुरुवार को भी अफसरों की मीटिंग हुई। चूंकि अप्रैल से सत्र प्रारंभ होता है जबकि अगले ही माह मई से ग्रीष्म अवकाश लगते हैं। 15 जून से फिर स्कूल खुलते हैं और जुलाई से नियमित कक्षाएं प्रारंभ होती हैं। इसी दौरान अतिथि शिक्षकों को भर्ती किया जाएगा।

पद वृद्धि संभव

प्रदेश में 80 हजार से अधिक अतिथि शिक्षकों की जरूरत भी पड सकती है क्योंकि शिक्षकों का प्रतिमाह रिटायरमेंट हो रहा है। अफसरों के अनुसार मौजूदा सत्र में भी राज्य में 500 से अधिक शिक्षक रिटायर हुए हैं। इनमें कुछ दिवंगत भी हो चुके हैं। इनके पदों पर भी अभी शिक्षक पदस्थ नहीं हुए हैं। इस कारण नवीन सत्र में ऐसे पदों की पूर्ति भी अतिथियों से की जाएगी।

कक्षा 12 बोर्ड में ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन से परीक्षा तैयारी में किया गया बदलाव

17 से शुरू होने वाली परीक्षा में शामिल होंगे 17 हजार से अधिक छात्र

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सीबीएसई कक्षा 12 की उत्तरपुस्तिकाओं के लिए इस वर्ष ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन प्रणाली लागू किए जाने से शहर की परीक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया है। मूल्यांकन की यह डिजिटल प्रणाली गति और सटीकता बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। हालांकि कक्षा 10 के लिए पारंपरिक मैन्युअल मूल्यांकन प्रक्रिया पहले की तरह जारी रहेगी।

17 फरवरी से शुरू होने वाली बोर्ड परीक्षाओं में 17 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल होंगे। शहर में 45 से अधिक सीबीएसई संबद्ध स्कूल परीक्षा केंद्र के रूप में नामित किए गए हैं। परीक्षा संचालन के साथ-साथ कुछ चयनित संस्थानों को मूल्यांकन जिसके लिए मजबूत डिजिटल केंद्र की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है, ढांचा और तकनीकी तैयारी आवश्यक है।

सीबीएसई सिटी को-ऑर्डिनेटर यूके झा के अनुसार... शिक्षकों को प्रारंभिक चरण में थोड़ी तकनीकी अनुकूलन की आवश्यकता होगी, लेकिन यह अवधि अधिक लंबी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि पहले उत्तरपुस्तिका की फ्रंट शीट भरने जैसे कार्यों में समय लगता था, जो अब कम हो जाएगा। बोर्ड द्वारा शिक्षकों की शंकाओं के समाधान और प्रक्रिया से परिचित कराने के लिए वेबिनार आयोजित करने की भी योजना है। परीक्षा केंद्रों को छात्रों के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जा चुके हैं।

त्रुटि की संभावना कम-स्कूल प्रशासन का कहना है कि इस बदलाव से मूल्यांकन की पूरी लॉजिस्टिक्स प्रणाली बदल गई है। जहां पहले बड़े हॉल में उत्तरपुस्तिकाओं के बंडल जांचे जाते थे, वहीं अब कम्प्यूटर लैब मूल्यांकन कक्ष के रूप में उपयोग होंगी। बिरला ओपन माइंड्स स्कूल के प्राचार्य मनोज बाजपेयी ने बताया कि निर्बाध इंटरनेट कनेक्टिविटी और पर्याप्त कम्प्यूटर सिस्टम अनिवार्य हैं। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे साफ-सुथरी और स्पष्ट लिखावट में उत्तर दें, क्योंकि स्कैन की गई कॉपियों का मूल्यांकन स्क्रीन पर किया जाएगा। इस प्रणाली से किसी उत्तर के छूट जाने और कुल योग में त्रुटि की संभावना कम हो जाती है।

2 साल की मेहनत, 8 हजार से ज्यादा पौधे व 90 प्रतिशत सर्वाइवल

एसजीएसआईटीएस में मियावाकी वन का सार्वजनिक समर्पण आज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर की तेज़ी से फैलती कंक्रीट संरचनाओं के बीच एसजीएसआईटीएस कॉलेज परिसर में उगा एक जीवंत जंगल अब जनता के लिए खुलने जा रहा है। 13 फरवरी को कॉलेज परिसर में विकसित मियावाकी वन का उद्घाटन एवं सार्वजनिक समर्पण किया जाएगा, जिसे छात्र, शोधार्थी और पर्यावरणप्रेमी नजदीक से देख सकेंगे और अध्ययन भी कर सकेंगे। यह वन 'कृष्ण तरुवन' और 'चंदन निकुंज' के नाम से जाना जाएगा, जिसे जापानी वैज्ञानिक अकीरा मियावाकी की वैज्ञानिक तकनीक के तहत विकसित किया गया है। कार्यक्रम

की शुरुआत सुबह 10.30 बजे एसजीएस आईटीएस परिसर में होगी।

एक एकड़ में तैयार हुआ शहर का मिनी जंगल: लगभग एक एकड़ (43 हजार वर्गफुट) क्षेत्र में विकसित इस मियावाकी वन में 8175 पौधे लगाए गए हैं। पौधरोपण अभियान की शुरुआत 14 फरवरी 2024 को की गई थी, जब पौधों की ऊंचाई मात्र 8 से 12 इंच थी। दो वर्षों में ही पौधे 15 फीट तक ऊंचे हो चुके हैं, इस परियोजना की खास बात इसकी 90 प्रतिशत जीवित रहने की दर है। पौधों की औसत वृद्धि दर लगभग 7 फीट प्रति वर्ष रही है। ड्रिप सिंचाई प्रणाली से पोषित इस वन में 65 प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं, जिनमें 25 प्रजातियां लुप्तप्राय श्रेणी की हैं।

स्टूडेंट्स के लिए ओपन एयर क्लासरूम-संस्थान का यह मियावाकी वन अब सिर्फ हरियाली नहीं, बल्कि लाइव ओपन-एयर लैब के रूप में विकसित किया गया है, जहां छात्र शहरी वन, जैव विविधता, जल संरक्षण और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर प्रत्यक्ष अध्ययन कर सकेंगे। कॉलेज के डायरेक्टर प्रो. नीतिश पुरोहित ने कहा कि यह पहल शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का उदाहरण है।

एलएनसीटी ग्रुप को झटका, सुप्रीम कोर्ट ने आस्था फाउंडेशन सोसायटी की संपत्ति खरीदी-बिक्री पर लगाई रोक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आस्था फाउंडेशन सोसायटी में 200 करोड़ के घोटाले में चौकसे परिवार और एलएनसीटी ग्रुप फंसे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सोसायटी की संपत्तियों के हस्तांतरण पर रोक लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम आदेश जारी करते हुए कहा कि सोसायटी की संपत्तियों की स्थिति यथावत रखी जाएगी। इस दौरान सुनवाई चलती रहेगी। सभी अपने जवाब पेश करेंगे। सोसायटी के 22 शैक्षणिक संस्थान है। इनमें मेडिकल कॉलेज भी शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने जारी किया आदेश -सुप्रीम कोर्ट ने अनिल सांघवी व अन्य बनाम रजिस्ट्रार, फर्म्स एंड सोसायटीज व अन्य मामले में आदेश दिया है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरश और न्यायमूर्ति नोंगमेइकापम कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मामले की सुनवाई की। इस दौरान हस्तक्षेप/इम्पलीडमेंट से जुड़े आवेदन पर कहा कि विवाद के अंतिम निस्तारण से पहले संपत्ति के हस्तांतरण की अनुमति देना ठीक नहीं है। याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट अभिनव मल्होत्रा ने पैरवी की।

इस दौरान सभी अपने जवाब पेश कर दें-बेंच ने आदेश में यह भी कहा कि सभी पक्ष निर्धारित समयावधि में अपनी-अपनी लिखित दलीलें पूरी करें। अदालत ने प्रकरण को 19 मई 2026 को अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए हैं। अगली सुनवाई अब 19 मई को होगी। सुप्रीम कोर्ट के इस अंतरिम आदेश

से सोसायटी की संपत्तियों पर किसी भी प्रकार के लेन-देन या हस्तांतरण पर स्पष्ट रोक लागू हो गई है।

ईडी ने पीएमएलए में किया है केस दर्ज-आस्था फाउंडेशन में 200 करोड़ के घोटाले की जांच शुरू हुई। पूर्व प्रेसीडेंट अनिल संघवी की रिपोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की कमेटी की फाइनेंशियल ऑडिट रिपोर्ट पर केस दर्ज हुआ। ईओडब्ल्यू ने गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया था। इस रिपोर्ट के आधार पर अक्टूबर 2025 में ईडी ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत केस दर्ज किया। एलएनसीटी के जय नारायण चौकसे, अनुपम चौकसे, धर्मेंद्र गुप्ता, श्वेता चौकसे, पूनम चौकसे, पूजा चौकसे, आशीष जायसवाल समेत अन्य के खिलाफ बीएनएस की धारा 61, 316, 318, 338 और 336(3) के तहत आर्थिक अपराध का केस दर्ज है। सभी आरोपियों को ईडी ने अपनी ईसीआईआर के तहत जांच में लिया है। इस मामले में चौकसे परिवार ने जिस तरह से घोटाला किया है वह चौंकाने वाला है। आस्था फाउंडेशन और इसके खातों को निजी मल्कियत समझकर जमकर लूटा गया। इस मामले की सौ से ज्यादा पन्नों की फाइनेंसियल रिपोर्ट मौजूद है।

बस और होस्टल की फीस अपने निजी ट्रस्ट में डाल दी-रिपोर्ट में बताया गया है कि बस और होस्टल के लिए मिली करीब 8.22 करोड़ की राशि को सोसायटी ने चौकसे परिवार की कंपनी कल्चुरी कांट्रेक्टर्स लिमिटेड को दे दी। इसके लिए एक कागज पर समझौता दिखाय गया कि बस और होस्टल का मेंटनेंस कल्चुरी द्वारा किया जाएगा। जबकि होस्टल की बिल्डिंग खुद सोसायटी की थी। लेकिन इसके बाद भी कल्चुरी से करार दिखाकर पूरी फीस का डायवर्सन कल्चुरी को कर दिया गया।

ऑडिट कमेटी ने इन खातों को देखा

फारेंसिक ऑडिट कमेटी ने एक अप्रैल 2021 से फरवरी 2025 तक आस्था फाउंडेशन फॉर एजुकेशन सोसायटी कनाडिया रोड इंदौर जो रजिस्टर्ड सोसायटी है। इसके खातों की पूरी जांच की। इस सोसायटी के तहत, एलएनसीटी मेडिकल कॉलेज, सेफ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग कॉलेज, एलएनसीटी स्कूल ऑफ फार्मेसी, एलएन पेरामेडिकल कॉलेज, एलएनसीटी विद्यापीठ यूनिवर्सिटी, सेफ स्कूल ऑफ नर्सिंग, सेवाकुंज हॉस्पिटल और स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर का संचालन होता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।